PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया
हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, शनिवार, 5 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

अलीगढ़ पुलिस लाइन में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, देर रात गूंजे कान्हा के जयकारे

अलीगढ़।* **Planet News India** के लिए अलीगढ़ से बड़ी खबर है, जहां रिजर्व पुलिस लाइन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर पुलिस लाइन परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। भगवान श्रीकृष्ण की भव्य झांकी और धार्मिक कार्यक्रमों ने पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में ***एसपी सिटी आदित्य बंसल*** और ***वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन*** ने उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य लोगों का स्वागत किया। इस अवसर पर ***जिलाधिकारी अविनाश कुमार, **अलीगढ़ सांसद सतीश गौतम*** सहित प्रशासन और पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

जन्माष्टमी के मद्देनजर पुलिस लाइन में विशेष तैयारियां की गई थीं। पूरे परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और आकर्षक सजावट से सजाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की भव्य झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की और उनके जन्मोत्सव में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। पुलिस अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के दर्शन किए तथा प्रदेश और जनपद में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

जैसे-जैसे रात आगे बढ़ी, जन्माष्टमी को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ता गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के शुभ अवसर पर पूरा पुलिस लाइन परिसर ***कान्हा के जयकारों से गूंज उठा।*** श्रद्धालुओं ने जन्मोत्सव के दौरान भक्ति और उल्लास के साथ भगवान श्रीकृष्ण का स्वागत किया।

इस अवसर पर पुलिस परिवारों के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने जन्माष्टमी के इस विशेष आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पुलिस लाइन में आयोजित इस समारोह में धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश भी देखने को मिला। अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं और भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। अलीगढ़ पुलिस लाइन में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। देर रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय गूंजे जयकारों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ***Planet News India के लिए अलीगढ़ से यह खास रिपोर्ट।***

अलीगढ़: केनरा बैंक में 35.80 लाख रुपये के ऋण में फर्जीवाड़ा, दो पर रिपोर्ट दर्ज, ऐसे हुआ फर्जीबाड़े का खुलासा

बैंक को शक होने पर उसने बंधक बैनामे की जांच कराई। उप निबंधक कार्यालय से सत्य प्रतिलिपि की आधिकारिक जांच हुई। जांच में पता चला कि बैनामे के पेज नंबर एक की लाइन नंबर 6 में हेराफेरी की गई थी। अलीगढ़ शहर के धनीपुर स्थित केनरा बैंक में 35.80 लाख रुपये के ऋण में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। बैनामे में हेराफेरी कर बैंक को चूना लगाया गया। न्यायालय के आदेश पर गांधीपार्क थाने में एक महिला समेत दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और जालसाजी का केस दर्ज हुआ है। केनरा बैंक धनीपुर के शाखा प्रबंधक आलोक कुमार ने इस संबंध में शिकायत दी है। सासनीगेट सब्जी मंडी निवासी आशा रानी अग्रवाल और सह-खातेदार भगवान स्वरूप अग्रवाल ने बैंक से कुल तीन प्रकार के ऋण स्वीकृत कराए थे। इनमें 16 लाख रुपये का बंधक ऋण, 17 लाख रुपये की ओसीसी सीमा और 2.80 लाख रुपये का जीईसीएल ऋण शामिल था। यह कुल राशि 35.80 लाख रुपये बनती है। इस वित्तीय लेन-देन के एवज में 146.50 वर्गमीटर की एक संपत्ति बैंक के पास बंधक रखी गई थी। समय पर किस्तें जमा न होने के कारण 14 फरवरी 2025 को यह खाता एनपीए घोषित हो गया।

फर्जीबाड़े का खुलासा

बैंक को शक होने पर उसने बंधक बैनामे की जांच कराई। उप निबंधक कार्यालय से सत्य प्रतिलिपि की आधिकारिक जांच हुई। जांच में पता चला कि बैनामे के पेज नंबर एक की लाइन नंबर 6 में हेराफेरी की गई थी

। पतिवाली शब्द के बाद जयमंगल शब्द कूटरचित तरीके से जोड़ा गया था। मूल दस्तावेज में ऐसा कोई शब्द मौजूद नहीं था। इसी फर्जी कागजात के आधार पर तीनों ऋण हड़प लिए गए थे। मामले के तूल पकड़ने पर बैंक ने सरफेसी अधिनियम के तहत कार्रवाई की। 30 अगस्त 2025 को बंधक संपत्ति की ई-नीलामी की गई। इस नीलामी से बैंक ने 22.88 लाख रुपये वसूल किए। हालांकि, इसके बावजूद 12.92 लाख रुपये का बकाया अभी भी बना हुआ है। सीओ धनंजय कुमार के अनुसार, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कानूनी जांच शुरू कर दी है।

Aligarh News: मालखाने में रखी अल्ट्रासाउंड मशीन सील, भ्रूण को लड़की बताने वाली आशा भेजी जेल

रामघाट रोड स्थित केसी सिंघल अस्पताल में भ्रूण लिंग जांच के मामले में शुक्रवार को कार्रवाई का सिलसिला आगे बढ़ा। मामले की जांच कर रहे एसीएमओ डॉ. दिनेश खत्री अस्पताल पहुंचे और संबंधित कागजात खंगाले। वहां से मिली जानकारी के बाद वह सीधे महुआखेड़ा थाने पहुंचे। जहां मालखाने में रखी अल्ट्रासाउंड मशीन को सील कर दिया। एक दिन पहले पुलिस ने अस्पताल से इस मशीन को कब्जे में लिया था। भ्रूण को लड़की बताने वाली आरोपी आशा कमलेश शर्मा को पुलिस ने जेल भेज दिया। सीओ तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम (पीसी पीएनडीटी) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग और पुलिस दोनों अलग अलग जांच कर रहे हैं। पुलिस से सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल जाकर पूछताछ की और थाने पहुंचकर अल्ट्रासाउंड मशीन को सील किया। सीएमओ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की है जिसे जिलाधिकारी को सौंप दिया है। जिलाधिकारी ने इस रिपोर्ट में की गई सिफारिशों के आधार पर एक जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए जिसमें स्वास्थ्य विभाग और पीसी पीएनडीटी नोडल अधिकारी शामिल हैं। अब ये समिति इस मामले में अस्पताल की भूमिका को लेकर जांच करेगी। इस मामले में अस्पताल का पंजीकरण तक रद्द किया जा सकता है। दरअसल हाथरस के निनामई गांव के मनोज कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी गर्भवती पत्नी 26 अगस्त को धनीपुर मंडी निवासी आशा कार्यकर्ता कमलेश शर्मा के कहने पर रामघाट रोड स्थित केसी सिंघल अस्पताल गई थीं। वहां डॉ. सविता सिंघल ने अल्ट्रासाउंड किया। मनोज के मुताबिक, जांच के बाद चिकित्सक ने गर्भ में बेटी होने की बात कही। आरोप है कि इसके बाद आशा कार्यकर्ता ने गर्भपात कराने के लिए महिला को गोली भी दी। मनोज का कहना है कि दो सितंबर को महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई और करीब 17 सप्ताह का गर्भ गिर गया। उन्होंने दावा किया कि गिरा हुआ भ्रूण लड़के का था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए डॉ. सविता सिंघल और आशा कार्यकर्ता कमलेश शर्मा के खिलाफ पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। तीन सितंबर को पुलिस ने गिरफ्तार आशा कार्यकर्ता का फोटो और बयान भी जारी किया।

अस्पताल पहुंची टीम, कागजात की जांच शुरू

सीएमओ डॉ. आरएन सिंह के निर्देश पर एसीएमओ डॉ. दिनेश खत्री को जांच अधिकारी बनाया गया है। शुक्रवार को वह अस्पताल पहुंचे और प्रकरण से जुड़े दस्तावेजों की जांच शुरू की।

इसी दौरान पता चला कि अल्ट्रासाउंड मशीन पुलिस के कब्जे में महुआखेड़ा थाने के मालखाने में रखी है। इसके बाद टीम थाने पहुंची और मशीन को सील कराया। आशा कमलेश शर्मा की संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए हरदुआगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक को भी निर्देश दिए गए हैं।

अपनों से ही हार गई थी पहलवान अश्विनी: पिता के बयान से आया नया मोड़, बताया बेटी ने क्यों उठाया खौफनाक कदम?

राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाली एक पहलवान मां की जिंदगी का अंत बेहद दर्दनाक तरीके से हुआ। धाराशिव में शुक्रवार महिला ने अपने तीन छोटे बच्चों के साथ खाई में छलांग लगा दी थी, जिसमें उसके बेटे और एक बेटी की मौत हो गई। दूसरी बेटी गंभीर है। अब इस मामले में नया खुलासा हुआ है। पुलिस जांच के दौरान पहलवान अश्विनी के पिता के बयान से मामले में नया खुलासा हुआ है। जिस मां ने खेल के मैदान में हर मुश्किल से लड़कर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाई, वही जिंदगी की जंग में अपनों के सामने हार गई। महाराष्ट्र के धाराशिव में 30 वर्षीय राष्ट्रीय स्तर की पहलवान अश्वनी पॉल ने अपने बच्चों सहित खाई में कूदकर शुक्रवार को आत्महत्या कर ली थी। इसमें उसके पांच साल के बेटे और दो साल की एक बेटी की भी जान चली गई, जबकि दूसरी नन्ही बेटी जिंदगी के लिए जूझ रही है। अब इस मामले में एक नया खुलासा हुआ। अश्वनी के पिता ने पति और ससुराल वालों पर पैसों, सोने और ऑटो रिक्शा के लिए कथित प्रताड़ना का आरोप लगाया है। महिला ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीते थे। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

पति और ससुराल वालों पर क्या आरोप लगाए गए हैं?

महिला के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने उसके पति, ससुर, सास और पति की बुआ समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि महिला को पति और ससुराल वाले पैसों और अन्य कीमती सामान के लिए परेशान करते थे। महिला की शादी 2020 में हुई थी। 2021 में उसके बेटे का जन्म हुआ, जबकि 2024 में जुड़वां बेटियां पैदा हुईं।

बेटियों के जन्म के बाद क्यों बढ़ गया था कथित दबाव?

- पुलिस शिकायत के अनुसार, जुड़वां बेटियों के जन्म के बाद महिला के ससुराल वालों ने कथित तौर पर उससे पैसे, सोना और ऑटो रिक्शा की मांग शुरू कर दी थी।
- इसके बाद वह करीब तीन महीने पहले अपने माता-पिता के घर आकर रहने लगी थी। पिता का आरोप है कि मायके में रहने के बावजूद फोन के जरिए उसे कथित रूप से परेशान किया जाता रहा।

उन्होंने कहा कि पिछले एक सप्ताह में ऐसा कुछ हुआ होगा, जिसके बाद उनकी बेटी यह खौफनाक कदम उठाने को मजबूर हो गई।

पुलिस ने अब तक क्या कार्रवाई की है?

महिला के पिता की शिकायत पर नलदुर्ग पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने महिला के पति और ससुर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। नलदुर्ग थाने के पुलिस निरीक्षक रवींद्र गायकवाड़ के अनुसार, प्राथमिकी में नामजद सभी चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना से पहले महिला के साथ क्या हुआ था और कथित प्रताड़ना की शिकायतों की वास्तविक स्थिति क्या थी।

परिवार ने क्या मांग की है?

महिला के पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी ने पति और ससुराल वालों की प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या की। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिवार के लिए यह घटना इसलिए भी बेहद दर्दनाक है क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली महिला की जिंदगी अचानक खत्म हो गई और उसके तीन छोटे बच्चों में से दो की भी जान चली गई। पुलिस की जांच अब आरोपों और घटना की पूरी परिस्थितियों को सामने लाने में अहम होगी।

Aligarh News: कमरा खाली कराने पर छात्र ने की आत्महत्या की कोशिश

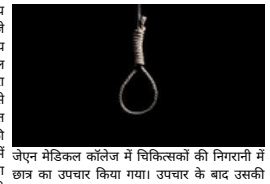

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के एक हॉल में कमरे पर कब्जे को लेकर बृहस्पतिवार शाम उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब करीब दो साल से कमरे में रह रहे एक छात्र को कमरा खाली करने के लिए कहा गया। कमरे से हटाए जाने की बात पर छात्र ने कथित तौर पर आत्मघाती कदम उठाने की कोशिश की। घटना के बाद हॉल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय के अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्र को उपचार के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया।

बताया गया कि हॉल का संबंधित कमरा विश्वविद्यालय की ओर से किसी दूसरे छात्र के नाम आवंटित किया गया था। हालांकि, आवंटित छात्र कमरे में रह नहीं पा रहा था। आरोप है कि एक अन्य छात्र करीब दो वर्षों से उस कमरे में रह रहा था। बृहस्पतिवार शाम कमरे को खाली कराने के लिए जब उससे कहा गया तो विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई।

मामला बढ़ने पर छात्र ने कथित तौर पर आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास किया। इससे हॉल में मौजूद छात्रों और अन्य लोगों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में विश्वविद्यालय प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने स्थिति को संभाला और छात्र की तबीयत बिगड़ने पर उसे जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।

जेएन मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों की निगरानी में छात्र का उपचार किया गया। उपचार के बाद उसकी हालत फिलहाल ठीक बताई जा रही है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए कमरे के आवंटन और उसमें छात्र के रहने की स्थिति की जांच कराने की बात कही है। एएमयू के प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नवेद खान के अनुसार, संबंधित छात्र ने कमरे पर जबरन कब्जा कर रखा था। कमरे को खाली करने के लिए कहे जाने पर उसने हंगामा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय की ओर से कमरा जिस छात्र के नाम आवंटित किया गया है, नियमानुसार उसी को उसमें रहने का अधिकार है। प्रॉक्टर ने बताया कि मामले की वास्तविक स्थिति जानने के लिए कमरे के आवंटन से संबंधित रिकॉर्ड और अन्य तथ्यों की जांच कराई जाएगी। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कमरे पर कब्जे की स्थिति कैसे बनी और इतने लंबे समय तक छात्र वहां किस आधार पर रह रहा था। घटना के बाद हॉल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे हैं। विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के बीच कमरों के आवंटन और कब्जे को लेकर विवाद सामने आने के बाद प्रशासन के सामने व्यवस्था को लेकर भी चुनौती खड़ी हुई है। विश्वविद्यालय प्रशासन की जांच के बाद ही मामले में आगे की कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होगी।

यूपी: नया अध्याय, 2401 दिन बाद बदला राम मंदिर ट्रस्ट का स्वरूप;

2020 में गठित ट्रस्ट में पहली बार बड़ा फेरबदल

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन के करीब छह साल बाद उसके स्वरूप में बड़ा बदलाव किया गया है। चढ़ावा चोरी की घटना के बाद ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे और प्रमुख पदाधिकारियों ने इस्तीफा दिया। दो सितंबर 2026 को ट्रस्ट का नए सिरे से गठन कर मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति की गई।सुप्रीम कोर्ट से राम मंदिर के पक्ष में फैसला आने के बाद भव्य मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ और केंद्र सरकार के निर्देश पर पांच फरवरी 2020 को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया गया। करीब 2401 दिन यानी छह साल 209 दिन बाद ट्रस्ट का स्वरूप एक बार फिर बड़े बदलाव से गुजरा है। मंदिर निर्माण से लेकर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा और निर्माण पूरा होने तक जिस टीम ने ट्रस्ट की कमान संभाली, अब उसमें व्यापक फेरबदल हो गया है।चढ़ावा चोरी की घटना के बाद उठे सवालों ने ट्रस्ट को नेतृत्व और व्यवस्थागत स्तर पर बदलाव के लिए मजबूर किया। ट्रस्ट के गठन के समय विहिप के पदाधिकारी चंपत राय को महासचिव और श्रीराम जन्मभूमि न्यास के तत्कालीन अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को अध्यक्ष बनाया गया था।

वहीं गोविंद देव गिरि कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी देते हुए 15 सदस्यीय ट्रस्ट का स्वरूप सामने आया।ट्रस्ट के गठन के बाद सबसे पहले करीब 30 वर्षों तक टेंट में विराजमान रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हुए। 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसके बाद राम मंदिर परिसर में 18 अन्य मंदिरों के निर्माण का काम भी आगे बढ़ा। 25 नवंबर 2025 को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के साथ मंदिर निर्माण की पूर्णता घोषित की गई।

चढ़ावा चोरी ने तूल पकड़ा, ट्रस्ट की किरकिरी हुई

इसी बीच चार जून को राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना सामने आने के बाद ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। मामले ने तूल पकड़ा और ट्रस्ट की व्यापक स्तर पर किरकिरी हुई। दबाव के बीच महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने इस्तीफा दे दिया। मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित हुई और जांच आगे बढ़ी। इसी दौरान ट्रस्ट के भीतर व्यवस्थागत बदलाव की प्रक्रिया भी शुरू हो गई।

जन्माष्टमी 2026:कान्हा के जन्म लेते ही छाई काली घटा,

इंद्रदेव ने की आगवानी; जन्मभूमि की अलौकिक तस्वीरें

कान्हा के जन्म लेते ही द्वापर सा दिखा ब्रज

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर आधी रात 12 बजे कान्हा के जन्म के साथ ही जय कन्हैया लाल की जयघोष से पूरा ब्रज गूंज उठा, वहीं आसमान में काली घटाएं छाई रहीं। सोने-चांदी से निर्मित 100 किलो की कामधेनु मूर्ति में गंगाजल-पंचामृत भरकर लाला का अभिषेक किया गया, जबकि करोड़ों श्रद्धालुओं ने लाइव दर्शन किए।इस भाद्रपद माह में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि नजारा बिल्कुल द्वापर सरीखा ही था। दिन में खूब बदरा बरसे और रात को भी काली घटाएं छाईं थीं। हर पल जोर जोर से बरसने को आतुर। आसमान में बिजली भी खूब चमकी। जैसे ही घड़ी की सुइयों ने शुक्रवार को रात के 12 बजाए, संपूर्ण ब्रजमंडल नंद घर आनंद भए, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंजायमान हो उठा। अलौकिक आभा, अपार जनसैलाब, ढोल-नगाड़ों की थाप और घंटे-घड़ियालों की गूंज के बीच भगवान श्रीकृष्ण का घर-घर और मंदिरों में जन्म हुआ। लाखों श्रद्धालु इसके साक्षी बने।मुख्य आयोजन श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर हुआ। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर भक्तों का उल्लास देखते ही बन रहा था। घड़ी में जैसे ही 11 बजे तत्काल नवग्रह स्थापना के साथ पूजन शुरू हो गया। 11.55 बजे तक कमल पुष्प एवं तुलसीदल से सहस्त्रार्चन हुआ। 11.59 बजते ही भागवत भवन स्थित युगल सरकार के पट बंद हो गए। इस एक मिनट के पल में श्रद्धालुओं को लगा मानो घंटों बीत रहे हों। ठीक 12 बजे लीलाधर के चलित श्रीविग्रह को भागवत भवन लाया गया। यहां रजत कमल पुष्प में विराजमान भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक किया गया।श्रीकृष्ण जन्मस्थान के ट्रस्टी अनुराग डालमिया, सचिव कपिल शर्मा और सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने सोने-चांदी से निर्मित 100 किग्रा की कामधेनु गाय की मूर्ति में गंगाजल सहित पंचामृत भरकर लल्ला का अभिषेक किया। इस दौरान जन्मस्थान पर ढोल-नगाड़े और घंटे-घड़ियाल गूंजते रहे। झांझ-मजीरे, मृदंग और शंख की मंगलध्वनि के बीच कान्हा के बधाई गीत गुंजायमान हो उठे। दर्शन का दौर 1:30 बजे तक चलता रहा।

गर्भगृह से अभिषेक की लाइव स्ट्रीमिंग

श्रीकृष्ण के 5253वें जन्मोत्सव पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थित मूल श्रीगर्भगृह (कारागार) से अभिषेक व पूजा-अर्चना की लाइव स्ट्रीमिंग कराई गई। गर्भगृह में श्रीकृष्ण बाल-गोपाल रूप में विराजते हैं। अब तक केवल भागवत भवन से ही लाइव प्रसारण होता रहा है, शुक्रवार मध्यरात्रि करोड़ों श्रद्धालुओं ने घर बैठे टीवी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण देखा। इसके लिए श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान द्वारा अत्याधुनिक कैमरे लगाकर डिजिटल प्रसारण की व्यवस्था की गई।

श्रद्धालुओं ने बिताईं फुटपाथ पर रातें

जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान के 10 किलोमीटर के दायरे में श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई दी। मथुरा पहुंचे श्रद्धालुओं ने सड़कों, फुटपाथ, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, पार्क और सार्वजनिक स्थलों पर खुले आसमान के नीचे रात बिताई। जन्माष्टमी पर तीन दिन पहले से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। शहर के डैंपियर नगर से टाउनशिप चौराहे तक हर गली-मोहल्ले और सड़क किनारे भक्तों के झुंड नजर आए। श्रद्धालुओं के लिए नगर निगम की ओर से सुविधाएं मुहैया कराई गईं। जगह-जगह टैंकरों के जरिए पीने का पानी और मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं ने शुक्रवार को शहर में आयोजित भंडारों में भोजन-प्रसाद ग्रहण किया।

यूपी: सीएम योगी ने सेल्फी वीडियो से शिक्षकों को दी शुभकामनाएं,

बोले- नवाचार से नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ रहे

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उत्तर प्रदेश की प्राचीन ज्ञान परंपरा को याद करते हुए शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक आधुनिक शिक्षा, तकनीक और नवाचार के माध्यम से नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ रहे हैंशिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेल्फी वीडियो साझा करते हुए उत्तर प्रदेश की प्राचीन ज्ञान परंपरा को याद किया और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश की विशिष्ट ज्ञान परंपरा को आधुनिक स्वरूप में नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाले सभी गुरुजनों और शिक्षकों को वह शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई देते हैं। उत्तर प्रदेश प्राचीन काल से ज्ञान, साधना और संस्कारों की पावन भूमि रहा है। काशी ने विश्व को ज्ञान का प्रकाश दिया, जबकि सारनाथ में भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश दिया था। अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज भी सनातन ज्ञान परंपरा के प्रमुख केंद्र रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शुकतीर्थ और नैमिषारण्य की ज्ञान परंपरा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि करीब पांच हजार वर्ष पूर्व शुकतीर्थ में महर्षि शुकदेव जी ने श्रीमद्भागवत का प्रथम वाचन किया था। वहीं नैमिषारण्य में 88 हजार ऋषियों की साधना ने भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध किया। इसी भूमि से आयुर्वेद, अध्यात्म, दर्शन और भारतीय ज्ञान-विज्ञान की महान परंपराएं विकसित हुईं।सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश के शिक्षक इसी गौरवशाली ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा, तकनीक और नवाचार से जोड़कर नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों का अभिनंदन करते हुए उनके प्रति मंगलमय शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

सहारनपुर में मस्जिद पर चला बुलडोजर:कलेक्ट्रेट के पांचों गेट सील,

आरएएफ समेत भारी पुलिस बल तैनात; पूरी कहानी

सहारनपुर कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद में शनिवार अलसुबह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हुई। कलेक्ट्रेट के पांचों गेट सील कर दिए गए और RAF समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। कैराना सांसद इकरा हसन को सहारनपुर जाने से पहले हाउस अरेस्ट किया गया।सहारनपुर कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद में शनिवार अलसुबह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई। प्रशासन ने कलेक्ट्रेट परिसर के पांचों गेट सील कर दिए। किसी भी बाहरी व्यक्ति को परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया। सुरक्षा के लिए आरएएफ समेत भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

जिला जज के आदेश के बाद शुरू हुई कार्रवाई

मस्जिद हटाने की कार्रवाई दो सितंबर को जिला जज की अदालत के आदेश के बाद शुरू की गई। जेसीबी, डंपर और अन्य मशीनें रात में ही कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचा दी गई थीं। इसके बाद शनिवार सुबह धीरे-धीरे मस्जिद के ढांचे को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई।

सहारनपुर में मस्जिद पर चला बुलडोजर

सांसद इकरा हसन हाउस अरेस्ट | बोलीं जनता की आवाज उठाना अपराध हो गया क्या?

पांचों गेट सील, बाहरी लोगों की एंट्री बंद

ध्वस्तीकरण से पहले ही कलेक्ट्रेट परिसर के पांचों प्रवेश द्वार सील कर दिए गए। किसी बाहरी व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। आसपास के क्षेत्र में भी पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई।

अन्य जिलों से भी बुलाया गया पुलिस बल

पुलिस-प्रशासन और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट ने मस्जिद हटाने से पहले जिलेभर के माहौल का जायजा लिया। खुफिया इनपुट जुटाने के बाद शुक्रवार देर शाम से परिसर के आसपास पुलिस की आवाजाही बढ़ गई थी।सुरक्षा व्यवस्था के लिए अन्य जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। शनिवार सुबह कार्रवाई के दौरान पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

24 मार्च 2025 को दाखिल हुई थी याचिका

मस्जिद को लेकर विवाद की शुरुआत शिकायत के बाद हुई। बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने मस्जिद के संबंध में शिकायत की थी। इसके बाद 24 मार्च 2025 को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पीपी एक्ट के तहत याचिका दाखिल की गई।

सिटी मजिस्ट्रेट ने मस्जिद को अवैध करार दिया था

16 जुलाई 2026 को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत ने मस्जिद को अवैध करार देते हुए 6.41 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इस आदेश के खिलाफ मस्जिद पक्ष की ओर से 20 जुलाई 2026 को जिला जज की अदालत में याचिका दाखिल की गई।

17 तारीखों की सुनवाई के बाद 2 सितंबर को फैसला

जिला जज की अदालत में मामले की 17 तारीखों पर सुनवाई हुई। इसके बाद दो सितंबर को अदालत ने सिटी मजिस्ट्रेट के फैसले को बरकरार रखते हुए मस्जिद पक्ष की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की।

सहारनपुर जाने से पहले इकरा हसन हाउस अरेस्ट

इसी मामले को लेकर कैराना सांसद इकरा हसन को सहारनपुर जाने से पहले उनके कैराना स्थित आवास पर हाउस अरेस्ट किए जाने की बात सामने आई है। बताया गया कि सांसद सहारनपुर जाने के लिए घर से निकल रही थीं, तभी भारी संख्या में पुलिस बल उनके आवास पर पहुंच गया और उन्हें बाहर जाने से रोक दिया।

एक्सप्लेनर: 450 साल पुराना दुनिया का नक्शा कितना बदला, कैसे अफ्रीकी देश के चलते भारत को मिल सकता है न्याय?

संयुक्त राष्ट्र में 450 साल पुराने मर्केटर मैप को बदलने का प्रस्ताव बहुमत से पारित हो गया। जानिए नक्शे में अफ्रीका-भारत के वास्तविक आकार और इस नए बदलाव के वैश्विक असर को। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पारंपरिक दुनिया के नक्शे (मर्केटर) को बदलने के लिए लाए गए करेक्ट द मैप प्रस्ताव को भारी बहुमत से पारित कर दिया है। 16वीं सदी का मर्केटर नक्शा उत्तरी गोलार्ध के देशों को बड़ा और भूमध्य रेखा के पास के देशों को छोटा दिखाता है। नए और सटीक अनुमान वाले इक्वल अर्थ मैप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और अन्य भूमध्यरेखीय क्षेत्रों का वास्तविक और बड़ा आकार सामने आएगा। वहीं, यूरोप, रूस और कनाडा जैसे इलाके मौजूदा मर्केटर नक्शे की तुलना में नए नक्शे में छोटे दिखाई देंगे। इस प्रस्ताव के पक्ष में 164 देश रहे, जबकि अमेरिका ने इसके खिलाफ वोट किया और छह देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

ब्रिटेन सहित 164 देशों का समर्थन

नया नक्शा अफ्रीका को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है। नए नक्शे को टोगो ने पेश किया जबकि अफ्रीकी संघ के सदस्यों ने पुरजोर समर्थन किया। मानचित्र सुधार प्रस्ताव फ्रांस और ब्रिटेन सहित 164 देशों के समर्थन से पारित हो गया। अमेरिका इकलौता देश रहा, जिसने इसके खिलाफ मतदान किया और छह देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया। 16वीं शताब्दी से उपयोग हो रहे मर्केटर मानचित्र की आलोचना की जाती रही है क्योंकि यह अफ्रीका को ग्रीनलैंड के समान आकार का दिखाता है, जबकि वास्तव में यह उससे 14 गुना बड़ा है।

अब वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी

इस प्रस्ताव पर मतदान कि अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब आने वाले दिनों में दुनियाभर में दिखाए-पढ़ाए जाने वाले वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी हो जाएगा और उसकी जगह नए नक्शे ले लेंगे। इतना ही नहीं मौजूदा नक्शे में दिखने वाले महाद्वीप के साथ भारत और कई देशों की स्थिति में बड़ा बदलाव हो जाएगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक नक्शे पर बदलाव कराने का दम रखने वाले इस प्रस्ताव की जरूरत क्यों पड़ी? अब प्रस्ताव मंजूर हो चुका है तो क्या-क्या बदल सकता है?

पहले यूएन में पेश प्रस्ताव के बारे में जानें?

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश प्रस्ताव वैश्विक स्तर पर दर्शाए जाने वाले मानचित्र को बदलने और सदियों पुराने 'मर्केटर प्रोजेक्शन' मैप की जगह समान-क्षेत्र दर्शाने वाले मानचित्रों को वैश्विक मानक बनाने से जुड़ा था। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश टोगो की ओर से प्रायोजित किया गया, जिसे 55-सदस्यीय अफ्रीकी संघ का समर्थन मिला। दरअसल, इस वक्त दुनिया में विश्व का जो मानचित्र दिखाया जाता है, वह 400 साल से भी ज्यादा पुराना है और इसे गेरहार्डस मर्केटर की ओर से दुनियाभर में व्यापार के लिए जाने वाले नाविकों की मदद के लिए बनाया गया था। यह पारंपरिक मानचित्र ध्रुवों के पास के देशों को उनके वास्तविक आकार से बहुत बड़ा और भूमध्य रेखा (इक्वेटर) के पास के क्षेत्रों को बहुत छोटा दिखाता है। उदाहरण के लिए मौजूदा नक्शे पर अफ्रीका और ग्रीनलैंड एक ही आकार के दिखाई देते हैं, जबकि वास्तविकता में अफ्रीका एक महाद्वीप है, जो कि ग्रीनलैंड से 14 गुना बड़ा है। ऐसा ही कई और अन्य देशों के भी साथ की स्थिति है। अफ्रीका अपने असल आकार के मुकाबले छोटा दिखाए जाने को लेकर ही नाराजगी जाहिर करता रहा है, क्योंकि इसकी वजह से पूरी दुनिया उसकी विशालता को पहचान नहीं पाती और इसे कम कर के आंकती है।

अब जानें- पुराने मर्केटर नक्शे में दिक्कत क्या और कितनी बड़ी है?

1569 में गेरहार्डस मर्केटर द्वारा बनाए गए पारंपरिक मानचित्र- मर्केटर प्रोजेक्शन में भौगोलिक स्तर पर कई गड़बड़ियां थीं। यह सिर्फ कुछ सीमाओं के गलत खिंचाव की बात नहीं है, बल्कि इसने दुनिया को देखने, समझने और अलग-अलग क्षेत्रों की वैश्विक स्थिति को आंकने के हमारे नजरिए को गहरे रूप से प्रभावित किया है।

1. ध्रुवों के पास के क्षेत्रों का कृत्रिम रूप से बड़ा दिखना

मर्केटर नक्शे को मूल रूप से नाविकों के सफर को आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया था, ताकि वे सीधी रेखा खींचकर अपनी दिशा तय कर सकें। लेकिन गोल पृथ्वी को सपाट कागज पर उतारने के इस तरीके के कारण, जैसे-से हम भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर बढ़ते हैं, जमीन का आकार काफी ज्यादा खिंचकर बड़ा हो जाता है। इसका असर यह होता है कि भूमध्य रेखा के करीब स्थित क्षेत्र, जैसे- अफ्रीका, भारत, दक्षिण अमेरिका बहुत छोटे दिखाई देते हैं। वहीं, ध्रुवों के करीब वाले देश, जैसे- कनाडा, रूस, अमेरिका और यूरोप अपने वास्तविक आकार से कहीं ज्यादा बड़े दिखाई देते हैं।

2. अफ्रीका की स्थिति में भारी गड़बड़ी

- अगर पुराने मर्केटर मानचित्र और असल क्षेत्रफल की तुलना की जाए तो अफ्रीका वास्तव में तो ग्रीनलैंड से 14 गुना बड़ा है, लेकिन नक्शे पर यह सच पूरी तरह छिप जाता है और दोनों ही देश लगभग एक ही आकार के दिखने लगते हैं
- वास्तविकता तो यह है कि अफ्रीका के अंदर पूरा अमेरिका (यूएसए), चीन, भारत, जापान, मेक्सिको और अधिकांश यूरोप के भू-भाग एक साथ समा सकते हैं, और उसके बाद भी काफी जगह बच जाएगी।
- इसके उलट मौजूदा प्रचलित नक्शे पर यूरोप का आकार अफ्रीका के बराबर या उससे भी बड़ा लगता है, जबकि वास्तविकता में यूरोप का कुल आकार अफ्रीका का केवल एक तिहाई ही है।

3. भारत का वास्तविक आकार भी कम दर्शाता है मर्केटर मैप

मर्केटर मैप की इस गड़बड़ी का एक बड़ा नुकसान भारत को भी उठाना पड़ता है। दरअसल, भारत का वास्तविक क्षेत्रफल लगभग 31.6 लाख वर्ग किलोमीटर है। लेकिन मर्केटर नक्शे पर भारत को अमेरिका के अलास्का से भी छोटा दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में न सिर्फ अलास्का, बल्कि ग्रीनलैंड (जो कि अफ्रीका के बराबर दिखता है, भी भारत से आकार में छोटा है। अगर भारत को कार्टोग्राफिक रूप से ध्रुव के निकट रखा जाए, तो यह दिखने में ग्रीनलैंड से भी बड़ा लगने लगेगा। इसी विकृति को रेखांकित करते हुए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से भारत को देखने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने टिप्पणी की थी कि अंतरिक्ष से देखने पर भारत सामान्य विश्व नक्शों की तुलना में काफी बड़ा दिखाई देता है।

400 साल से काम आ रहे पुराने नक्शे को बदलने अब जरूरत क्यों?

1. अफ्रीका में उठ रहीं पुराने नक्शे के खिलाफ आवाजें

यूं तो मौजूदा मर्केटर नक्शे में भौगोलिक गड़बड़ियों की बात को पहले भी माना गया है, लेकिन बीते एक दशक और खासकर पिछले एक-दो साल में इसे बदलने को लेकर अफ्रीका की तरफ से सबसे ज्यादा आवाजें उठी हैं। टोगो के विदेश मंत्री रॉबर्ट ड्युसे ने कहा है, नक्शा लोगों की धारणा को आकार देता है और यह प्रभावित करता है कि लोग दुनिया में महाद्वीपों और मनुष्यों के स्थान को कैसे समझते हैं। बचपन से ही स्कूली किताबों में गलत आकारों को देखने से बच्चों के दिमाग में गलत भौगोलिक धारणाएं बैठ जाती हैं। अफ्रीकी संघ की उपसभापति सलमा मलिका हद्दादी, टोटो दिखने का मतलब- कम अहम भी हो जाता है। एक तरह से विजुअल्स हमारी सोच तय करते हैं। जब कोई महाद्वीप या देश नक्शे पर बहुत छोटा दिखाई देता है, तो लोग अवचेतन रूप से उसे कम शक्तिशाली, कम अहमियत वाला मानने लगते हैं।

2. 'मानचित्र वाले औपनिवेशिकवाद के अंत की जरूरत'

इतिहासकारों और विशेषज्ञों का मानना है कि मर्केटर नक्शा यूरोपीय औपनिवेशिक ताकतों के हितों और पश्चिमी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का एक राजनीतिक औजार रहा है। विश्व बैंक के पूर्व अर्थशास्त्री राबाह अरेज्की के मुताबिक, इस नक्शे ने अफ्रीका को बहुत छोटा दिखाकर औपनिवेशिक काल में उसे आसानी से जीतने योग्य और आज के समय में अप्रासंगिक दिखाने में मदद की। पश्चिमी देशों को बड़ा दिखाकर मनोवैज्ञानिक रूप से उपनिवेशों को मानसिक गुलामी या अधीनता में रखने का प्रयास किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लोबल साउथ की राजनीतिक और वैश्विक मांग भी अब यही है। अफ्रीका और भारत जैसे देश जो आज वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक चुनौतियों के समाधान में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं, वे चाहते हैं कि वैश्विक मंचों पर उनकी अहमियत को पूरी गरिमा और सम्मान के साथ दिखाया जाए।

3. अब बेहतर और सटीक वैज्ञानिक विकल्प मौजूद

अफ्रीकी संघ और वैज्ञानिकों का कहना है कि जब 1569 में यह नक्शा बना था, तब इसका मकसद सिर्फ महासागर और सागर में नौवहन में मदद करना था, ताकि नाविक सीधी रेखा में सफर कर सकें। लेकिन आज, हमारे पास इक्वल अर्थ जैसी आधुनिक तकनीक और प्रोजेक्शन्स हैं, जो बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के सभी देशों के क्षेत्रफल को उनके वास्तविक अनुपात में दिखाते हैं।

अगर यूएनजीए में नक्शा बदलने का प्रस्ताव पारित हुआ तो क्या होगा?

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में नक्शा बदलने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने का यह मतलब हरगिज नहीं होगा कि अगले ही दिन या अगले कुछ हफ्तों में दुनिया में पुराने नक्शे का इस्तेमाल बंद हो जाएगा और उसकी जगह कोई नया नक्शा ले लेगा। दरअसल, यह प्रस्ताव मर्केटर नक्शे पर प्रतिबंध की मांग नहीं करता, बल्कि सिर्फ पुराने नक्शे को नए नक्शे से बदलने की वकालत करता है। यह प्रस्ताव यूएन पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होगा, फिर भी यह दुनिया को देखने और दर्शाने के तौर-तरीकों में एक क्रांतिकारी और ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत कर सकता है।

पिघलेंगे ग्लेशियर, डूबेंगे शहर: यूएन ने चेताया- पेरिस समझौते में तय 1.5 डिग्री की सीमा पार; कैसे रुकेगी तबाही?

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट ने जलवायु संकट की गंभीरता को लेकर चेतावनी दी है। मौजूदा रुझानों के कारण वैश्विक तापमान में और वृद्धि की आशंका है, जिसका असर बर्फीले क्षेत्रों से लेकर समुद्र किनारे बसे शहरों तक दिखाई देगा। तापमान बढ़ने के साथ समुद्र का स्तर ऊपर जाने, खाद्य उत्पादन घटने और प्राकृतिक तंत्रों को नुकसान पहुंचने का जोखिम बढ़ेगा। आने वाले समय में धरती का तापमान कम से कम 1.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ना तय है। अगर तापमान इस स्तर तक पहुंचता है, तो भारी मात्रा में ग्लेशियर पिघलेंगे, समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा और दुनिया भर के तटीय शहरों तथा इंसानी जीवन पर हाहाकार मच जाएगा। अब तापमान साल 2015 के पेरिस समझौते में तय किए गए 1.5 डिग्री सेल्सियस के सुरक्षित दायरे से कहीं आगे निकल चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक नई रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, तापमान में होने वाली हर एक अतिरिक्त वृद्धि चरम मौसम, ग्लेशियरों के पिघलने, पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान और तटीय शहरों के डूबने के खतरे को और खतरनाक रूप से बढ़ा देगी। यूएन की पहले जारी अन्य रिपोर्टों में भी चेताया जा रहा था कि अगर तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर गया, तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे।

- **ग्लेशियरों के पिघलने का खतरा और समुद्र का बढ़ता जलस्तर**

अगर धरती का तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के मुकाबले 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, तो साल 2100 तक एक चौथाई से ज्यादा ग्लेशियर पिघल जाएंगे। इससे समुद्र का जलस्तर 13 सेंटीमीटर तक ऊपर आ जाएगा। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो 2050 तक वैश्विक खाद्य उत्पादन में 14 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

अभी भी तापमान के घटने की उम्मीद

रिपोर्ट के अनुसार, इस सदी में औसत वैश्विक तापमान को वापस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर तभी लाया जा सकता है जब तापमान लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे। साथ ही नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को छोड़ना संभव नहीं है और जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को रोकने के साथ-साथ वनों के विस्तार जैसे कार्बन अवशोषण के उपाय भी करने होंगे।

मानव स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को भी गंभीर नुकसान

बढ़ते तापमान से मानव स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, बुनियादी ढांचा और अर्थव्यवस्थाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित होंगी और कई नुकसान पूरी तरह अपरिवर्तनीय होंगे। इस संकट से बचने का एकमात्र रास्ता यह है कि तापमान में पहले कुछ समय के लिए भले ही बढ़ोतरी हो जाए, लेकिन फिर हम मिलकर प्रदूषण को इस हद तक घटाएं कि तापमान अपने चरम (सबसे ऊपरी स्तर) पर पहुंचकर वापस नीचे आ जाए। इसके लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तत्काल और भारी कटौती के साथ-साथ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने के कड़े उपायों की आवश्यकता है।

नई नीतियों की सख्त जरूरत : विशेषज्ञ

प्रशांत महासागर के युवा जलवायु कार्यकर्ताओं की ओर से बोलते हुए विशाल प्रसाद ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एक कानूनी जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि 1.5 डिग्री की सीमा में रहना कोई विकल्प नहीं, बल्कि कानूनी अनिवार्यता है, इसलिए जीवाश्म ईंधन के विस्तार को तुरंत रोकना ही होगा। वहीं, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की सह-अध्यक्ष प्रो. डेबरा रॉबर्ट्स ने कहा कि जलवायु से निपटने के हमारे पुराने तरीके अब काम नहीं आएंगे। हमें अपनी नीतियों और व्यवस्थाओं को पूरी तरह से बदलना होगा।

1. स्कूली शिक्षा और पाठ्यक्रमों में हो सकता है बदलाव

2. डिजिटल तकनीक और गूगल/एपल मैप्स में बदलाव

यह प्रस्ताव गूगल और एपल जैसी बड़ी टेक कंपनियों को डिजिटल मैपिंग प्लेटफॉर्म्स से अपनी डिफॉल्ट मानचित्र प्रणालियों को बदलने की अपील करता है। प्रस्ताव पास होने पर, टोगो सरकार अगले साल (2027) की पहली तिमाही में अपनी राजधानी लोमे में यूनेस्को अफ्रीकी संघ और गूगल जैसी दिग्गज टेक कंपनियों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित करेगी, ताकि इस बदलाव को तकनीकी स्तर पर लागू करने का रोडमैप तैयार किया जा सके।

- 3. अंतरराष्ट्रीय संगठनों की कार्यप्रणाली में आ सकता है बदलाव संयुक्त राष्ट्र के अलग-अलग निकाय, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और सरकारों से उन सभी जगहों पर इक्वल अर्थ या अन्य समान-क्षेत्रीय मानचित्रों के इस्तेमाल के लिए कहा जाएगा जहां देशों का सही पैमाना मायने रखता है।
- विश्व बैंक जैसी संस्थाएं पहले से ही मर्केटर को हटाकर इक्वल अर्थ मैप को अपना रही हैं, और नासा-नेशनल ज्योग्राफिक भी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रस्ताव पास होने से यह प्रक्रिया और तेज होगी।
- हालांकि यह काम आसान नहीं होगा, क्योंकि सदियों से मर्केटर नक्शा हमारे ग्राफिक्स, डिजिटल इंटरफेस और किताबों में गहराई से रच-बस चुका है। इसे बदलने के लिए सरकारों को संस्थागत जड़ता और पुराने ढांचे को बदलने के खर्चों का सामना करना पड़ेगा।

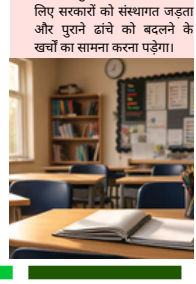

मुस्लिम नाटो में शामिल होने के करीब ढाका: ऑपरेशन सिंदूर से बेचैन पाकिस्तान की नई चाल; भारत की बढ़ेगी चिंता?

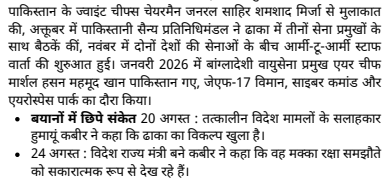

बांग्लादेश के मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने के संकेतों के बीच पाकिस्तान से उसकी नजदीकी तेजी से बढ़ी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के सैन्य और सुरक्षा संपर्क भी बढ़े हैं। क्या पाकिस्तान अब इस्लामी देशों के नए सुरक्षा नेटवर्क के जरिये भारत पर दबाव बनाने की तैयारी में है? पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये की अगुवाई वाले मक्का रक्षा गठबंधन में बांग्लादेश भी शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ढाका में तमाम मंत्रियों ने ऐसे बयान दिए हैं, जिनसे इसके पुख्ता संकेत मिलते हैं कि बांग्लादेश मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। यह साफतौर पर देखा जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर में पिटने के बाद पाकिस्तान ने अपने रणनीतिक विकल्पों का विस्तार करने की नीति अपनाई है। इधर सोमवार को इस्तांबुल में मुस्लिम नाटो देशों की पहली आम बैठक में गठबंधन को संस्थागत ढांचा देने पर सहमति बनी। इस बैठक में अन्य मित्र देशों को गठबंधन से जोड़ने का रोडमैप बनाने का फैसला भी हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आई तेजी : ऑपरेशन सिंदूर के बाद ढाका और इस्लामाबाद के बीच सैन्य और सुरक्षा संपर्कों में उल्लेखनीय तेजी आई है। दोनों देशों की सेनाओं और खुफिया तंत्र के बीच बनी नजदीकी एक बड़े बहुपक्षीय सुरक्षा ढांचे की ओर बढ़ती दिख रही है। मई 2025 के बाद दोनों देशों के बीच कम से कम 7 प्रमुख सैन्य और सैन्य-खुफिया स्तर के संपर्क सामने आए हैं। अगस्त 2025 में बांग्लादेश के लेफ्टिनेंट जनरल एमडी फैजुर रहमान ने रावलपिंडी में पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा से मुलाकात की, अक्तूबर में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने ढाका में तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठकें कीं, नवंबर में दोनों देशों की सेनाओं के बीच आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता की शुरुआत हुई। जनवरी 2026 में बांग्लादेशी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान पाकिस्तान गए, जेएफ-17 विमान, साइडर कमांड और एयरोस्पेस पार्क का दौरा किया।

- **बयानों में छिपे संकेत** 20 अगस्त : तत्कालीन विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि ढाका का विकल्प खुला है।
- 24 अगस्त : विदेश राज्य मंत्री बने कबीर ने कहा कि वह मक्का रक्षा समझौते को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं।
- 27 अगस्त : विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने संसद में कहा कि बांग्लादेश इस पर सकारात्मक विचार करेगा।
- 29 अगस्त : कानून मंत्री एम असदुज्जमान ने कहा कि- भारत अपने हिसाब से चलेगा और बांग्लादेश अपने हिसाब से।
- 30 अगस्त : हुमायूं कबीर ने फिर कहा कि मक्का गठबंधन में शामिल होने में कोई जोखिम नहीं दिखता।

भारत की चिंता बढ़ा रही नजदीकी

भारत के लिए मुख्य चिंता रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच गहरे होते संबंध हैं। यदि बांग्लादेश मक्का रक्षा समझौते में शामिल होता है,

प्रीमियम ट्रेनों में नैफेड परोसेगा भोजन, तैयार हो रहा हाईटेक क्लाउड किचन; यात्रियों के लिए क्या खास?

देश की सबसे प्रतिष्ठित सेमी-हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस और अन्य प्रीमियम ट्रेनों में यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराने के लिए बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) इन ट्रेनों में स्वादिष्ट, स्वच्छ और विश्वसनीय भोजन की आपूर्ति की सीधी आपूर्ति का जिम्मा संभालेगा।नैफेड की हालिया बोर्ड बैठक में इस रणनीतिक विस्तार को औपचारिक मंजूरी मिल चुकी है और इस दिशा में जमीनी स्तर पर काम भी शुरू हो गया है। अगले साल की शुरुआत से कई वंदे भारत ट्रेनों में यात्रियों को परोसा जाने वाला भोजन सीधे नैफेड तैयार और सप्लाई करेगा। नैफेड के एमडी दीपक कुमार के अनुसार, बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद संस्था ने इस परियोजना पर आक्रामक रूप से काम शुरू कर दिया है।

16 लाख मील्स के बाजार में सहकारी संघ की दस्तक

वर्तमान में आईआरसीटीसी प्रीमियम और मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों को मिलाकर प्रतिदिन करीब 16 लाख मील्स (भोजन के पैकेट) की आपूर्ति करती है, जहां अब नैफेड ने दस्तक दी है। इसके लिए अत्याधुनिक क्लाउड किचन का निर्माण शुरू कर दिया है।

सीमित रहेगा डाटा सेंटर्स का योगदान

नई दिल्ली। भारत में डाटा सेंटर क्षेत्र में अरबों डॉलर निवेश के बावजूद अर्थव्यवस्था पर असर फिलहाल सीमित रहेगा। मूडीज के मुताबिक, डाटा सेंटर का पूंजीगत व्यय 2025 में भारत की सांकेतिक जीडीपी का करीब 0.10 प्रतिशत रहा, जबकि 2030 तक इनके पूरी तरह चालू होने पर जीडीपी में योगदान लगभग 0.13 फीसदी रहने की उम्मीद है। एजेंसी

महंगे तेल से रिफाइनिंग कंपनियों की चांदी: विपणन कंपनियां पस्त; इन दो कंपनियों को कैसे मिल रहा फायदा?

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चा तेल फिर 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। आम तौर पर इससे तेल विपणन कंपनियों पर दबाव बढ़ता है, लेकिन डीजल की तंग आपूर्ति से रिफाइनिंग कंपनियों की कमाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। आखिर किन दो कंपनियों को इसका सीधा फायदा मिल सकता है? पढ़िए रिपोर्टपश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच दोबारा भड़के तनाव ने कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के चलते ब्रेंट कच्चा तेल फिर से 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। आम तौर पर महंगा क्रूड भारतीय अर्थव्यवस्था और सरकारी तेल विपणन कंपनियों, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के मार्जिन के लिए नकारात्मक माना जाता है लेकिन इस बार सिक्के का दूसरा पहलू बेहद चमकदार है।चॉइस ब्रोकिंग की रिपोर्ट के अनुसार, जहां तेल विपणन कंपनियों के लिए महंगा क्रूड एक सिरदर्द है, वहीं ज्यादा डीजल उत्पादन करने वाली रिफाइनिंग कंपनियों मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) और चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल) को इसका सीधा और बड़ा फायदा मिल रहा है।

डीजल और हवाई ईंधन की तंग आपूर्ति के चलते रिफाइनिंग मार्जिन में ऐतिहासिक उछाल आया है। इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज और डीजल क्रैक मार्जिन 6.6 डॉलर प्रति बैरल की छलांग लगाकर 84.4 डॉलर प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। 2011 के बाद से यह अब तक का सर्वोच्च स्तर है। चॉइस इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की ताजा रिसर्च रिपोर्ट 'क्रूड कंपास' के मुताबिक, डीजल की कीमतों में यह तेजी कच्चे तेल की कीमतों के मुकाबले कहीं अधिक तेज है, जिससे शुद्ध रूप से रिफाइनिंग करने वाली कंपनियों का सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) आसमान छूने की स्थिति में आ गया है।

एमआरपीएल की रेटिंग अच्छी

मंगलूर रिफाइनरी (एमआरपीएल) और चेन्नै पेट्रोलियम (सीपीसीएल) निवेश के लिहाज से आकर्षक हैं। एमआरपीएल को 175.40 रुपये के शुक्रवार के बंद भाव से 215 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ 'खरीदें' रेटिंग दी गई है, यानी करीब 22.6% संभावित बढ़त। इसका मुख्य कारण डीजल एक्सपोजर और क्रूड की तुलना में डीजल प्रीमियम में तेजी है। वहीं सीपीसीएल के लिए 1,540 रुपये का लक्ष्य है, जो 6.1% संभावित बढ़त दर्शाता है। मजबूत रिफाइनिंग क्षमता और बेहतर जीआरएम इसकी प्रमुख वजह हैं।

अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट: मजबूत रोजगार आंकड़ों से ब्याज दर बढ़ने की आशंका; महंगाई पर क्या होगा असर?

अमेरिका में उम्मीद से कहीं ज्यादा नौकरियां बढ़ने से शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। मजबूत रोजगार आंकड़ों ने फेडरल रिजर्व के सामने ब्याज दर बढ़ाने का दबाव बढ़ा दिया। क्या इस महीने महंगाई पर काबू पाने के लिए फेड ब्याज दर बढ़ाएगा? पढ़िए रिपोर्ट अमेरिकी शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। वहीं, अमेरिकी सरकारी बॉन्ड की यील्ड (रिटर्न) में भी ज्यादातर बढ़ोतरी हुई। अमेरिकी सरकार ने रोजगार के नए आंकड़े जारी किए। इसके मुताबिक, कंपनियों ने पिछले महीने उम्मीद से ज्यादा लोगों को नौकरी दी। अगस्त में 1 लाख 62 हजार नई नौकरियां जुड़ीं।नौकरियों में इस अचानक बढ़ोतरी से फेडरल रिजर्व को ब्याज दर बढ़ाने की गुंजाइश मिल सकती है। इसका मकसद महंगाई को काबू करना है। फेडरल रिजर्व के अधिकारी इस महीने के अंत में बैठक करने वाले हैं।यूएस बैंक एसेट मैनेजमेंट ग्रुप के मुख्य इक्विटी रणनीतिकार टेरी सैंडवेन ने कहा, आज की रोजगार रिपोर्ट से ब्याज दर बढ़ाने की ओर संकेत मिलता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ब्याज दर बढ़ना अभी तय नहीं है।

अमेरिकी श्रम मंत्रालय ने बताया कि अगस्त में रोजगार बढ़ने की रफ्तार काफी तेज रही। फैक्टसेट के सर्वे में अर्थशास्त्रियों ने 65 हजार नई नौकरियों का अनुमान लगाया था। लेकिन अगस्त में 1 लाख 62 हजार नौकरियां जुड़ीं। श्रम विभाग ने जून और जुलाई के आंकड़ों में भी बदलाव किया। इन दोनों महीनों के रोजगार आंकड़ों में कुल 55 हजार नौकरियां और जोड़ी गईं।

शेयर बाजार में कितनी गिरावट दर्ज की गई?

एसएंडपी 500 में 0.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 245 अंक यानी 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। यह आंकड़ा दोपहर 12:48 बजे (पूर्वी समय) का है।नैस्डैक कंपोजिट में 0.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। तकनीकी कंपनियों के शेयरों में बढ़त से बाजार की गिरावट कुछ कम हुई। एनवीडिया के शेयर में 1.4 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। एडवांस मेक्रो डिवाइसेस के शेयर 4.2 फीसदी चढ़े। सेनडिस्क के शेयर में 10.4 फीसदी की तेजी आई। मेक्रोन टेक्नोलॉजी के शेयर 4.6 फीसदी बढ़े।

किस कंपनी के शेयरों में बड़ी गिरावट?

लुलुलेमोन एथलेटिका के शेयर में 17.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने तिमाही नतीजे जारी किए। उसकी बिक्री विश्लेषकों के अनुमान से कम रही। कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष के लिए अपना अनुमान एक बार फिर घटा दिया। यूरोप और एशिया के शेयर बाजारों में मिला-जुला रुख रहा।

सरकारी बॉन्ड के रिटर्न में क्या हुआ?

अमेरिकी सरकारी बॉन्ड की यील्ड (मुनाफे की दर) पिछले दो दिनों में कम हुई थी। शुक्रवार को इसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई। 10 साल के ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड 4.76 फीसदी रही। गुरुवार देर रात यह 4.77 फीसदी थी। यह यील्ड होम लोन की ब्याज दरों को प्रभावित करती है। इस साल इसमें लगातार बढ़ोतरी हुई है। 2026 की शुरुआत में यह 4.20 फीसदी तक नीचे थी।

दो साल के बॉन्ड पर मिलने वाला ब्याज क्यों अहम?

दो साल के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर मिलने वाला रिटर्न 4.36 फीसदी हो गया। गुरुवार को यह 4.34 फीसदी था। यह रिटर्न बताता है कि फेडरल रिजर्व की ब्याज दर को लेकर बाजार क्या उम्मीद कर रहा है। हालांकि, साल की शुरुआत के मुकाबले यह अभी काफी ज्यादा है। 2026 की शुरुआत में यह 3.50 फीसदी तक नीचे था। वॉल स्ट्रीट को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व साल खत्म होने से पहले ब्याज दर बढ़ा सकता है। इसका मकसद महंगाई को कम करना है।

सेबी का कड़ा एक्शन: हिंडनबर्ग व किंगडम कैपिटल पर शिकंजा, क्या विदेशी सट्टेबाजों से होगी अवैध मुनाफे की वसूली?

अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में सेबी ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। अमेरिकी सट्टेबाजों द्वारा शॉर्ट सेलिंग से कमाए गए लगभग22.25 मिलियन डॉलर के मुनाफे की वसूली के लिए व्यक्तिगत सुनवाई शुरू हो गई है। जानिए पूरा मामला।भारतीय शेयर बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी उथल-पुथल मचाने वाले अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में बाजार नियामक सेबी ने अब अंतिम प्रहार की तैयारी कर ली है। सेबी ने उन विदेशी फंडों और सट्टेबाजों के खिलाफ व्यक्तिगत सुनवाई शुरू कर दी है, जिन्होंने जनवरी 2023 में आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का पहले से फायदा उठाकर भारतीय बाजार में भारी मुनाफा कमाया था। सेबी का इरादा उन 'अवैध' फायदों को वापस वसूलना है, जो नियमों को ताक पर रखकर कमाए गए थे। इस कार्रवाई ने वैश्विक वित्तीय जगत में खलबली मचा दी है क्योंकि यह मामला विदेशी संस्थाओं पर भारतीय कानूनों को लागू करने का एक बड़ा उदाहरण बनने जा रहा है।क्या है सेबी की कार्रवाई और इस व्यक्तिगत सुनवाई का मुख्य उद्देश्य क्या है?

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने उन सौदों से हुए मुनाफे की वसूली के लिए व्यक्तिगत सुनवाई शुरू की है, जिसके बारे में संदेह है कि वे हिंडनबर्ग की जनवरी 2023 की रिपोर्ट के 'पूर्व ज्ञान' पर आधारित थे। सेबी का मानना है कि कुछ लोगों को पहले से ही पता था कि हिंडनबर्ग अदाणी समूह के खिलाफ एक सनसनीखेज रिपोर्ट लाने वाला है, जिससे शेयर गिरेंगे। उन्होंने इस गुप्त जानकारी का इस्तेमाल करके भारतीय बाजार में शॉर्ट सेलिंग की और करोड़ों रुपये कमाए। अब सेबी इस अवैध मुनाफे को ब्याज समेत वापस वसूलना चाहता है।

शॉर्ट सेलिंग का यह खेल कैसे खेला गया और कोटक फंड का इससे क्या संबंध है?

सेबी ने साल 2024 में खुलासा किया था कि अमेरिका स्थित 'किंगडम कैपिटल मैनेजमेंट' ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सार्वजनिक होने से ठीक पहले अदाणी समूह के शेयरों में भारी शॉर्ट पोजीशन बनाई थी। यह खेल सीधे नहीं, बल्कि मॉरीशस स्थित एक फंड 'के इंडिया अपॉर्चुनिटीज फंड क्लास एफ' के जरिए खेला गया था, जो कोटक इंटरनेशनल से जुड़ा हुआ था। शॉर्ट पोजीशन का मतलब होता है कि जब किसी शेयर की कीमत गिरने वाली हो, तो पहले उसे ऊंचे दाम पर बेच दो और बाद में दाम गिरने पर वापस खरीदकर मुनाफा जेब में रख लो। इस खेल के जरिए इह संस्थाओं ने कुल मिलाकर 22.25 मिलियन डॉलर (लगभग 22.25 मिलियन डॉलर) का मुनाफा कमाया था।

विदेशी सट्टेबाजों से पैसे वसूलने के लिए सेबी ने मॉरीशस में क्या अड़ंगा लगाया है?

चूंकि यह पूरा पैसा विदेशों में जमा है, इसलिए सेबी ने इसे सुरक्षित करने के लिए एक बेहद अनोखा कूटनीतिक और कानूनी कदम उठाया है। मॉरीशस में इस कोटक फंड के खिलाफ कोर्ट की निगरानी में दिवालियापन की प्रक्रिया चल रही है। सेबी ने मॉरीशस की सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त रिसीवर (जो फंड की संपत्ति की रक्षा कर रहा है) से जुलाई के पहले सप्ताह में लिखित अनुरोध किया था कि जब तक सेबी अपनी वसूली और ब्याज का आदेश जारी नहीं कर देता, तब तक इस फंड की संपत्तियों को किसी को भी ट्रांसफर या वितरित न किया जाए। सेबी का यह कदम विदेशी संपत्तियों को जब्त करने और अंतरराष्ट्रीय कानूनी सीमाओं को चुनौती देने का एक ऐतिहासिक मिसाल बनने जा रहा है।

सोने में तेजी का दौर अभी नहीं थमेगा: दीपावली तक 1.62 लाख रुपये पहुंच सकते हैं दाम; क्या अभी खरीदें?

चार साल में सोने का भाव 50 हजार से बढ़कर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। मुनाफावसूली के बावजूद तेजी की उम्मीद बनी हुई है। क्या दीपावली तक सोना 1.62 लाख रुपये तक पहुंच सकता है और अभी खरीदारी का मौका है? पढ़िए रिपोर्टघरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में हालिया दिनों में सोने में भले ही मुनाफावसूली दिख रही हो, लेकिन सोने की बुनियादी चमक पर कोई आंच नहीं आई है। 24 कैरेट सोने का घरेलू बेंचमार्क सितंबर 2022 के लगभग 50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से उछलकर सितंबर 2026 में 1.55 लाख रुपये के स्तर पर टिका हुआ है यानी महज चार साल में 210 फीसदी का बंपर रिटर्न।अंतरराष्ट्रीय बाजार में 29 जनवरी को सोना 5,608 डॉलर प्रति औंस के ऐतिहासिक शिखर पर पहुंचा था। वहां से 20 फीसदी फिसलकर अब यह 4,500 डॉलर के आसपास है। बाजार विश्लेषक इसे मंदी नहीं, बल्कि एक लंबे बुल-रन के बीच की हेल्दी प्रॉफिट बुकिंग मान रहे हैं।ना अब सिर्फ महंगाई से बचाव का पारंपरिक जरिया नहीं रहा। वैश्विक विखंडन के इस दौर में देश इसे डिफॉल्ट-मुक्त कोलैटरल और करेंसी अवमूल्यन के खिलाफ सबसे मजबूत संप्रभु ढाल के रूप में देख रहे हैं। रूस और तुर्की जैसे देश अपनी वित्तीय मजबूरियों और मुद्रा सुरक्षा के लिए सीमित बिक्री कर रहे हैं, लेकिन उभरते बाजारों की संस्थागत मांग उसकी तुरंत भरपाई कर रही है।

घरेलू बाजार रुपये का मजबूत समर्थक

इंडसइंड सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी के अनुसार, घरेलू बाजार में 1,49,000 रुपये का स्तर मजबूत सपोर्ट बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 4,400 डॉलर प्रति औंस का स्तर सुरक्षित रहने पर दिवाली तक घरेलू भाव 1,60,000 से 1,62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। केंद्रीय बैंकों का डी-डॉलराइजेशन अभियान : 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस की 300 अरब डॉलर से अधिक की संप्रभु संपत्तियों को फ्रीज किया, जिसने दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की आंखें खोल दीं। विदेशी बैंकों में रखा डॉलर या बॉन्ड प्रतिबंधों की भेंट चढ़ सकता है, लेकिन अपनी तिजोरियों में रखे सोने पर किसी विदेशी शक्ति का नियंत्रण नहीं होता। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, केंद्रीय बैंक लगातार 1,000 टन से अधिक की सालाना खरीदारी कर रहे हैं।

द बोनस मार्केट अपडेट: भारतीय बाजार की मिली-जुली शुरुआत, क्या कच्चे तेल की कीमतें निवेशकों के लिए चिंता का विषय

भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव के बीच सकारात्मक रुख के साथ कारोबार समाप्त किया। ब्रेंट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें निवेशकों के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। जानें निफ्टी के लिए आगे क्या है और वैश्विक बाजारों का हाल। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे दायरे में कारोबार किया। हालांकि, बाजार दिन के उच्चतम स्तर के करीब सकारात्मक क्षेत्र में बंद होने में सफल रहा। निवेशकों के लिए बेंट कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहना एक मुख्य चिंता का विषय है, जिससे बाजार की धारणा सतर्क बनी हुई है।आज, 1 सितंबर 2026 को सुबह 9:30 बजे, भारतीय बाजार में सेंसेक्स 76,952.08 पर खुला। इसमें पिछले बंद के मुकाबले 5.19 अंकों की मामूली गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी भी 24,065.05 पर खुला, जो 15.36 अंक नीचे था। घरेलू विकास में मजबूती, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण और पोर्टफोलियो से संबंधित निवेश प्रवाह के चलते मंगलवार सुबह रुपया 26 पैसे बढ़कर 94.96 प्रति अमेरिकी डॉलर पर कारोबार कर रहा था।ऊर्जा लागत में वृद्धि से महंगाई बढ़ने की आशंका रहती है। इससे केंद्रीय बैंकों पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव भी बना रह सकता है।

विश्लेषकों का कहना है कि निफ्टी के लिए शुक्रवार के उच्चतम स्तर और 50-दिवसीय ईएमए (लगभग 24,190) से ऊपर लगातार बढ़ोतरी महत्वपूर्ण है। यह बढ़ोतरी आगामी सत्रों में निफ्टी को 24,300-24,350 के क्षेत्र की ओर वापसी को बढ़ावा दे सकती है। वहीं, गिरावट की स्थिति में, यदि निफ्टी साप्ताहिक निचले स्तर 24,076 से नीचे टूटता है, तो निकट अवधि का दृष्टिकोण कमजोर हो सकता है। यह स्तर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण समर्थन बिंदु है।टोक्यो समय के अनुसार दोपहर 12:09 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा में थोड़ा बदलाव देखा गया। निक्केई 225 वायदा (ओएसी) में 0.4 फीसदी की गिरावट आई, जबकि जापान का टॉपिक्स 0.5 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.3 फीसदी गिरा। हांगकांग का हैंग सेंग 1.1 फीसदी और शंघाई कंपोजिट 0.2 फीसदी नीचे रहे। यूरो स्टॉक्स 50 वायदा में भी 0.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें लगातार 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। यह बढ़ती कीमतें वैश्विक अर्थव्यवस्था और कंपनियों के लाभ पर दबाव डाल सकती हैं।

मिस वर्ल्ड 2026

क्या निकिता पोरवाल के सिर सजेगा मिस वर्ल्ड का ताज?

Miss World 2026: आज वियतनाम में मिस वर्ल्ड 2026 की विजेता का नाम घोषित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भारत की तरफ से निकिता पोरवाल पहुंची हैं। आइए उनके बारे में और इस प्रतियोगिता के बारे में जानते हैं। वियतनाम में मिस वर्ल्ड 2026 के फाइनल के लिए मंच तैयार है। इसमें दुनिया भर की प्रतिभागियों प्रतिष्ठित ताज के लिए मुकाबला करेंगी। इस ग्लोबल पेजेंट में भारत का प्रतिनिधित्व निकिता पोरवाल कर रही हैं। वह प्रतिष्ठित मिस वर्ल्ड ताज के लिए मुकाबला करेंगी। 111 प्रतिभागियों वाले इस ग्रैंड फाइनल को शाम 5:30 बजे से जियो हॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। मिस वर्ल्ड 2025 की विजेता, थाईलैंड की सुचाता चुआंगसरी इस इवेंट के आखिर में अपनी उत्तराधिकारी को ताज पहनाएंगी। 25 मार्च 2026 को मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ने घोषणा की कि मिस वर्ल्ड का 73वां एडिशन वियतनाम में होगा। भारत की मानुषी छिल्लर ने 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था और अब सबकी नजरें निकिता पोरवाल पर होंगी।

मध्य प्रदेश की रहने वाली निकिता, 2024 में फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड का ताज जीतने के बाद चर्चा में आईं।

ब्यूटी पेजेंट की दुनिया में आने से पहले, उन्होंने महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा से उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन पूरी की है। इसके बाद उन्होंने टेलीविजन एंकर के तौर पर अपना करियर शुरू किया और बाद में थिएटर में काम किया। निकिता फिल्मों में भी काम करना चाहती हैं। उनकी चाहत संजय लीला भंसाली जैसे निर्देशक के साथ काम करने की है। निकिता इस प्रतिष्ठित इंटरनेशनल पेजेंट की तैयारी के लिए इस महीने की शुरुआत में वियतनाम गईं

पंकज त्रिपाठी: कभी लड़की का निभाते थे किरदार मुश्किल वक्त में पत्नी ने निभाया साथ

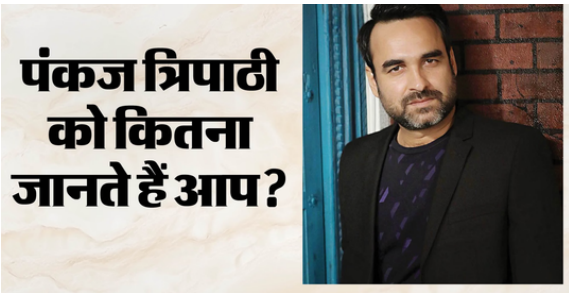

Pankaj Tripathi Birthday Special: पंकज त्रिपाठी ने फर्श से अर्श तक की कामयाबी हासिल है। उनकी मकबूलियत का आलम यह है कि जब भी फैंस उन्हें किसी फिल्म में देखते हैं तो उन्हें सुकून होता है कि कुछ अच्छा देखने को मिलेगा। पंकज त्रिपाठी के 50वें जन्मदिन पर आइए उनके संघर्ष के बारे में जानते हैं। पंकज त्रिपाठी ऐसे कलाकार हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में गिने जाने लगे हैं। उन्होंने फिल्मों में तो दमदार रोल किए ही हैं, वेब सीरीज में भी अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। हालांकि यहां तक पहुंचना इतना आसान नहीं था। उन्होंने कई बार अपने संघर्ष की कहानी बयान की है। आइए उनकी संघर्ष भरी जिंदगी पर एक नजर डालते हैं।

लड़की का किरदार निभाते थे अभिनेता

5 सितंबर 1976 को जन्मे पंकज त्रिपाठी के पिता किसान और हिंदू पुजारी थे। बचपन में वह पढ़ाई के अलावा अपने पिता के साथ खेत में काम करते थे। बचपन से उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी। यही वजह है कि त्योहारों के मौसम में वह अपने गांव के स्थानीय नाटक में लड़की का किरदार निभाते थे। हाई स्कूल तक की पढ़ाई गांव में करने के बाद त्रिपाठी पटना चले गए। वहां उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट हाजीपुर में पढ़ाई की। पटना में सात साल रहने के बाद वह नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में दाखिला लेने के लिए दिल्ली चले गए। यहां से उन्होंने 2004 में ग्रेजुएशन पूरा किया।

कन्नड़ फिल्म में निभाया छोटा रोल

पंकज त्रिपाठी ने साल 2003 में कन्नड़ भाषा की फिल्म 'चिगुरिदा कनासु' में एक छोटा सा रोल किया। इसके बाद वह 2004 में मुंबई आ गए। पंकज त्रिपाठी के मुताबिक साल 2004 से 2010 के बीच उन्होंने काम तो किया मगर पैसा नहीं कमाया। वह मुंबई की सड़कों पर घूमते थे। इसके अलावा लोगों से एक्टिंग का मौका देने की विनती करते थे। पंकज त्रिपाठी के मुताबिक उस दौर में उनकी पत्नी मृदुला उनके घर का पूरा खर्च उठाती थीं। वह स्कूल में पढ़ाती थीं। वही परिवार को संभालती थीं। अभिनेता का कहना है कि अगर उनकी पत्नी ना होतीं तो उनका कामयाबी हासिल करना मुमकिन नहीं हो पाता। पंकज ने माना कि उनके ये दिन संघर्ष के नहीं बल्कि बीज अंकुरित होने के थे। उनके मुताबिक वह खुद को कला के लिए तैयार कर रहे थे।

50 साल पहले रिलीज हुई इस मूवी से क्यों हो रही तुलना? नीम करोली बाबा पर आधारित फिल्म ने किया जादू

Hanuman Ansh: फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कामयाबी हासिल की है। इस फिल्म की तुलना साल 1975 में रिलीज हुई एक फिल्म से की जा रही है। उस फिल्म ने भी धीमी शुरुआत के बाद सफलता हासिल की थी। फिल्म 'हनुमान अंश' सात अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। पहले दिन इसने लगभग 10 लाख रुपये का कलेक्शन किया। रिलीज के दो हफ्तों बाद तक, इस बात के बहुत कम संकेत थे कि यह फिल्म सिनेमाघरों में सफल होगी। मगर पांचवें हफ्ते की शुरुआत तक इसने भारत में लगभग 80 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। ओपनिंग डे पर 355 शो से बढ़कर 5000 से ज्यादा शो तक पहुंच गई। इस फिल्म की तुलना 'जय संतोषी मां' से हो रही है।

- 'हनुमान अंश' का कलेक्शनसैकनिल्क के अनुसार इस फिल्म ने पहले हफ्ते में लगभग 1.08 करोड़ रुपये कमाए।
- विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने दूसरे हफ्ते में 40 लाख रुपये कमाए।
- तीसरे हफ्ते में कमाई उछलकर 10.40 करोड़ रुपये हो गई।
- चौथे हफ्ते में इसने जबरदस्त 61 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।
- पांचवें शुक्रवार को इसने 10 करोड़ रुपये कमाए।
- 29 दिनों तक इसकी कमाई 81.88 करोड़ रुपये हो गई।

50 साल पहले 'जय संतोषी मां' बनी थी ब्लॉकबस्टर

ट्रेड एनालिस्ट इस फिल्म की तुलना 1975 की फिल्म 'जय संतोषी मां' से कर रहे हैं। यह फिल्म उस साल की सबसे बड़ी हिंदी हिट फिल्मों में से एक बनी थी। फिल्म ने धीमी शुरुआत के बाद रफ्तार पकड़ी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का बजट 25 से 30 लाख रुपये था जबकि इसका कलेक्शन 5.25 करोड़ रुपये रहा था।

यह तुलना ऐसे समय में की जा रही है जब पौराणिक कथाओं, आध्यात्मिकता और लोक कथाओं को सिनेमाघरों में ज्यादा जगह मिल रही है।इस शैली में फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होती रहीं लेकिन उन्हें शायद ही कभी इंडस्ट्री की बड़ी कमर्शियल फिल्मों के बराबर अहमियत दी जाती थी। पिछले कुछ वर्षों में इसमें काफी बदलाव आया है। 2022 में रिलीज हुई 'कार्तिकेय 2' ने एडवेंचर फिल्म के लिए पौराणिक कथाओं का सहारा लिया और धीमी शुरुआत के बावजूद हिंदी में इसका बिजनेस काफी बढ़ा। उसी साल रिलीज हुई 'कांतारा' ने लोक कथाओं और स्थानीय मान्यताओं के आधार पर अपनी कहानी बुनी और सफल रही। 2024 में 'हनु-मैन' ने हनुमान की पौराणिक कथा को सुपरहीरो की कहानी में बदला और सिनेमाघरों में बड़ी सफलता हासिल की।

शिक्षक दिवस 2026

'काबिल बनो' से 'हर बच्चा स्पेशल होता है' तक नजर डालें बॉलीवुड के फेमस टीचर डायलॉग्स पर

Best Teacher Dialogues From Bollywood Movies: बॉलीवुड में टीचर्स पर ऐसी कई फिल्में बनी हैं, जिनके कुछ डायलॉग आज भी हमारे दिलों में बस गए हैं। आइए नजर डालते हैं कुछ फिल्मों में शिक्षकों के द्वारा कहे गए ऐसे ही डायलॉग्स पर, जिन्होंने हमारे दिलों में जगह बना ली। बॉलीवुड फिल्मों में टीचर सिर्फ क्लासरूम में पढ़ाते हुए नजर नहीं आए, बल्कि कई बार उन्होंने बच्चों की जिंदगी बदलने का काम भी किया। कुछ फिल्मों के टीचर्स के डायलॉग्स इतने दमदार रहे कि वे फिल्म खत्म होने के बाद भी लोगों के दिलों में बस गए।

'तारे जमीन पर' – आमिर खान

फिल्म में आमिर खान ने आर्ट टीचर राम शंकर निकुंभ का किरदार निभाया था। ईशान के टैलेंट को समझने और उसे आगे बढ़ाने वाले निकुंभ के किरदार ने सभी का दिल जीत लिया।

3 इडियट्स' – आमिर खान

फिल्म में आमिर खान के किरदार रैंचो ने पढ़ाई और जिंदगी को देखने का एक अलग नजरिया दिया। उनका एक डायलॉग आज भी मोटिवेशन के तौर पर खूब इस्तेमाल किया जाता है।

ब्लैक' – अमिताभ बच्चन

'ब्लैक' में अमिताभ बच्चन ने एक ऐसे टीचर का किरदार निभाया, जो एक नेत्रहीन और मूक लड़की को जिंदगी को समझने और आगे बढ़ने का रास्ता दिखाते हैं। फिल्म में उनका किरदार काफी भावुक और यादगार था।

बिग बॉस 20: ग्रैंड प्रीमियर में सलमान करेंगे खास परफॉर्मेंस आइकॉनिक गानों से सजेगी शाम क्या कुछ होगा खास?

Salman Khan: 'बिग बॉस 20' का ग्रैंड प्रीमियर इस बार और भी खास होने वाला है। शो के होस्ट सलमान खान अपने फैंस के लिए एक खास परफॉर्मेंस लेकर आ रहे हैं। जानिए क्या है पूरा मामला। सलमान खान का रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' छह सितंबर से शुरू होने वाला है। फैंस इसे लेकर काफी एक्साइटेड हैं। अब शो को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ रहा है, जो शो के होस्ट सलमान खान से जुड़ा है।

ग्रैंड प्रीमियर में क्या कुछ होगा खास?

खबर है कि 'बिग बॉस 20' का ग्रैंड प्रीमियर इस बार और भी खास होने वाला है। शो के होस्ट सलमान खान अपने फैंस के लिए एक खास परफॉर्मेंस लेकर आ रहे हैं। सलमान अपने 20 आइकॉनिक गानों पर 20 यादगार डांस मूव्स करते नजर आएंगे।

सलमान खान का यह खास परफॉर्मेंस शो के ग्रैंड प्रीमियर की शाम को और भी धमाकेदार बना देगा। फैंस को उनके पुराने और हिट गानों के साथ उनके फेमस डांस स्टेप्स की झलक देखने को मिलेगी।

ये कंटेस्टेंट होंगे शो का हिस्सा

इस सीजन में कई बड़े नामों के शामिल होने की अटकलें हैं। इन नामों में कुशल तंवर उर्फ गुल्लू, खुशी दुबे, रैपर शेंटी शर्मा, ईशा रिखी, आम्रपाली दुबे, कनिका मान, इन्फ्लुएंसर आरिश्फा खान, मैरी कॉम, अमन गांधी, काजी तौकीर, गीता बसरा और शोविक चक्रवर्ती शामिल हैं। बिग बॉस 20' का ग्रैंड प्रीमियर 6 सितंबर को रात 9 बजे जियो हॉटस्टार पर और रात 10:30 बजे कलर्स पर देखा जा सकता है। ऐसे में सलमान खान के फैंस के लिए यह एपिसोड काफी खास होने वाला है।

Aaj Ka Rashifal 05 September

सिंह और मकर राशि वालों के लिए दिन रहेगा शानदार, मिलेगी बड़ी खुशखबरी

आज का राशिफल आपके लिए कैसा रहेगा? जानें मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के करियर, धन, प्रेम और सेहत से जुड़े आज के राशिफल की खास भविष्यवाणी।

Today Horoscope: 5 सितंबर 2026 का दिन आर्थिक स्थिति, प्रेम संबंधों और पारिवारिक जीवन के लिहाज से कैसा रहेगा ? कुछ राशि वालों को सफलता मिल सकती है, तो वहीं कुछ लोगों को महत्वपूर्ण मामलों में सावधानी बरतनी होगी। वहीं, नौकरी-व्यापार से जुड़े मामलों में आज का दिन कुछ बदलाव भी लेकर आ सकता है। ऐसे में यहां जानें सभी 12 राशियों का राशिफल

आज छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए हर काम पूरी एकाग्रता से करना आपके लिए जरूरी रहेगा। कारोबार की कोई महत्वपूर्ण डील अचानक अटक सकती है, जिससे थोड़ी बेचैनी हो सकती है।

मेष

आज छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए हर काम पूरी एकाग्रता से करना आपके लिए जरूरी रहेगा। कारोबार की कोई महत्वपूर्ण डील अचानक अटक सकती है, जिससे थोड़ी बेचैनी हो सकती है। परिवार से जुड़ी निजी बातों को बाहर साझा करने से बचें। बड़े-बुजुर्गों के साथ कुछ समय बिताने से रिश्तों में अपनापन और गर्माहट बढ़ेगी। वहीं संतान की जिद या किसी आदत को लेकर आपको गंभीरता से सोचने की जरूरत पड़ सकती है।

वृषभ

आज आपकी समझ और निर्णय लेने की क्षमता आपको दूसरों से आगे रख सकती है, लेकिन बिना मांगे किसी को सलाह देना उल्टा पड़ सकता है। शॉपिंग के दौरान उत्साह में बजट से बाहर जाने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग आपको हर मोड़ पर मजबूती देगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपके खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी समझदारी उनके इरादों पर भारी पड़ेगी। माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा और किसी अटके हुए काम के पूरा होने की राह खुलेगी।

मिथुन

आज सकारात्मक सोच और नई उम्मीदों के साथ दिन की शुरुआत होगी। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके काफी काम आएगी। पुराने और रुके हुए काम भी गति पकड़ेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अपनी मेहनत में कमी नहीं आने देनी चाहिए। जीवनसाथी की सफलता आपके लिए खुशी का कारण बनेगी। परिवार के किसी महत्वपूर्ण फैसले में जल्दबाजी न करें और अपनी मीठी वाणी से माहौल को सहज बनाए रखें।

कर्क

आज जिम्मेदारियां कुछ ज्यादा महसूस हो सकती हैं और एक साथ कई काम सामने आने से मन थोड़ा उलझ सकता है। हालांकि, अतीत में हुई किसी गलती से मिली सीख इस बार आपको सही फैसला लेने में मदद करेगी। घर में मेहमानों के आने से माहौल खुशनुमा और रौनक भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति को संतुलित रखने के लिए आय और खर्च दोनों पर नजर रखें। संतान की खुशी के लिए नया लैपटॉप या कोई उपयोगी गैजेट खरीदने की योजना बन सकती है।

सिंह

आज आपके सामने कोई शानदार अवसर आ सकता है, जिसे सही तरीके से भुनाने पर करियर में फायदा मिलेगा। यात्रा के दौरान कोई खास खबर या महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। पुरानी नौकरी से दोबारा ऑफर मिलने की संभावना भी बन सकती है। ऑफिस में बॉस का भरोसा जीतने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी, हालांकि कुछ लोग आपकी तरक्की से खुश नहीं होंगे। सामाजिक गतिविधियों में आपकी लोकप्रियता बढ़ सकती है। वाहन चलाते समय जल्दबाजी बिल्कुल न करें।

कन्या

आज का दिन उत्साह और अच्छी संभावनाओं से भरा रह सकता है। शेयर मार्केट में निवेश का विचार मन में आ सकता है, लेकिन कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत चिंता का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के साथ अगर कोई नाराजगी चल रही है तो उसे बहस के बजाय प्यार और बातचीत से सुलझाने की कोशिश करें। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगाने से मानसिक शांति मिलेगी।

तुला

आज सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी रहेगी, क्योंकि छोटी परेशानी भी आपको अधिक परेशान कर सकती है। विद्यार्थियों के लिए मेहनत का समय है और लगातार प्रयास उन्हें सफलता के करीब ले जाएगा। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत, अनुशासन और काम करने का तरीका वरिष्ठों को प्रभावित कर सकता है और बॉस आपकी तारीफ भी कर सकते हैं। हालांकि, दूसरों के निजी मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचना ही समझदारी होगी।

वृश्चिक

आज आपकी सकारात्मक सोच ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी और सफलता के नए रास्ते खोल सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप अपनी क्षमता से शानदार ढंग से पूरा करेंगे। प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई रुकी हुई डील अब अंतिम चरण तक पहुंच सकती है। पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलने पर आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। भाई-बहनों और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। आय में बढ़ोतरी से आत्मविश्वास बढ़ेगा और भविष्य को लेकर उत्साह भी मजबूत होगा।

धनु

आज का दिन कुछ मामलों में अच्छा तो कुछ में थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। बड़े सपने आपको लगातार मेहनत करने की प्रेरणा देंगे, लेकिन रास्ते में कुछ रुकावटें भी आएंगी। जीवनसाथी के साथ छोटी-सी बात तनाव का रूप ले सकती है, इसलिए प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात का अवसर मिल सकता है, जो भविष्य में लाभदायक साबित होगा।

मकर

आज बिजनेस और कमाई को लेकर आपके दिमाग में कई शानदार विचार आ सकते हैं। सही समय पर लिया गया फैसला आर्थिक रूप से बड़ा फायदा दिला सकता है। आय बढ़ाने के नए रास्ते तलाशने में आपकी पूरी ऊर्जा लगी रहेगी। विरोधियों की बातों में आकर कोई गलत निर्णय लेने से बचें। पुराने लेन-देन या सरकारी काम से जुड़ी किसी परेशानी में राहत मिलने के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए जरूरी होगा कि वे भटकाव से बचकर पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें।

कुंभ

आज अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना ही आपकी सबसे बड़ी समझदारी होगी। परिवार के लोग आपकी छोटी-सी बात को भी दिल पर ले सकते हैं, इसलिए शांत रहकर बातचीत करना बेहतर रहेगा। सुख-सुविधाओं और शौक से जुड़ी चीजों पर खर्च बढ़ सकता है। अपनी निजी जानकारी किसी अनजान या अविश्वसनीय व्यक्ति के साथ साझा न करें। घर में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी से खुशी का माहौल बनेगा। विदेश में पढ़ाई का सपना देखने वाले विद्यार्थियों को कोई अच्छा अवसर मिल सकता है।

मीन

आज बेवजह के विवादों और उलझनों से खुद को दूर रखना आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार को सौंपी गई जिम्मेदारियां लोग अच्छी तरह निभाएंगे, जिससे उनके प्रति आपका भरोसा और मजबूत होगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जो मन को सुकून देगी। पुराने दोस्त से मुलाकात होने पर बीती यादें फिर से ताजा हो जाएंगी। मन में पल रही ईर्ष्या या नकारात्मक भावनाओं को पीछे छोड़कर आगे बढ़ेंगे तो आपकी ऊर्जा सही दिशा में लगेगी और सफलता के रास्ते खुलेंगे।

Aaj Ka Love Rashifal

कर्क और तुला राशि वालों की लव लाइफ में बढ़ेगा रोमांस, पार्टनर से मिलेगा खास तोहफा

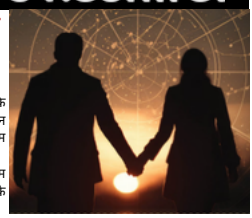

5 सितंबर 2026 का लव राशिफल जानें और समझें कि आज प्यार, रिश्तों और रोमांस के मामले में आपका दिन कैसा रहेगा। सभी 12 राशियों के लिए पढ़ें आज की प्रेम भविष्यवाणी।

Love Rashifal Today: 5 सितंबर 2026 को प्रेम और रिश्तों के मामले में ग्रहों की स्थिति कई राशियों के लिए खास संकेत दे सकती है।

किसी के रिश्ते में प्यार और विश्वास बढ़ सकता है, तो किसी को पार्टनर के साथ गलतफहमी दूर करने का मौका मिलेगा। सिंगल लोगों के लिए भी आज का दिन खास हो सकता है और किसी नए व्यक्ति से मुलाकात रिश्ते की शुरुआत का कारण बन सकती है। वहीं शादीशुदा और प्रेम संबंधों में रहने वाले लोगों को बातचीत और आपसी समझ पर ध्यान देना होगा। आइए जानते हैं मेष से मीन राशि तक सभी 12 राशियों का आज का लव राशिफल और प्रेम जीवन से जुड़े खास संकेत।

साप्ताहिक राशिफल (7 से 13 सितंबर): मेष-सिंह के लिए शुभ, तुला की बढ़ेगी भागदौड़, पढ़ें 12 राशियों का हाल

सितंबर का दूसरा सप्ताह धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। ऐसे में आइए जानते हैं 07 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

सितंबर का दूसरा सप्ताह यानी 7 से 13 सितंबर 2026 ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस दौरान 7 सितंबर को बुध कन्या राशि में प्रवेश करेंगे, हां उसे मजबूत स्थिति में माना जाता है।

इससे बुद्धि, तर्क, व्यापार, शिक्षा और करियर से जुड़े मामलों में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। वहीं 11 सितंबर को अमावस्या का प्रभाव भी रहेगा, जिससे कई राशियों के लिए नई शुरुआत और योजनाओं में बदलाव के योग बनेंगे। इस सप्ताह कुछ लोगों को आर्थिक और पेशेवर मामलों में लाभ मिल सकता है, जबकि कुछ राशियों को जल्दबाजी और अनावश्यक खर्च से बचना होगा। आइए जानते हैं 7 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह भी बीते हफ्ते की तरह अत्यंत ही शुभ, लाभप्रद और प्रगतिदायक कहा जाएगा। इस सप्ताह किस्मत के सितारे आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेंगे, जिसके कारण आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। अधिकारी वर्ग आपके कामकाज से प्रसन्न रहेगा और सहकर्मी आपका पूरा सहयोग और समर्थन करेंगे। सप्ताह के मध्य में आपको किसी कार्य विशेष के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। इस दौरान आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। युवाओं का अधिकांश समय मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। यदि आप उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत हैं तो उसकी प्राप्ति में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

विद्यार्थी वर्ग अध्ययन में एकाग्रता महसूस करेंगे। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध कहीं ज्यादा शुभ एवं लाभप्रद रहेगा। इस दौरान कारोबारी मामलों में अनुकूलता रहेगी। बाजार में आई तेजी का लाभ उठाने में आप सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा वर्ग की आय के नये स्रोत बनेंगे। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ नजदीकियां और आपसी विश्वास बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

उपाय: प्रतिदिन स्फटिक के श्रीयंत्र की पूजा और श्री महालक्ष्मी अष्टकं का पाठ करें।

अंक ज्योतिष 05 सितंबर: मूलांक 4 और 8 को रहना होगा सावधान, सोच-समझकर लें फैसले

5 सितंबर 2026 का अंक ज्योतिष आपके लिए कैसा रहेगा? जानें मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए आज करियर, धन, प्रेम और सेहत से जुड़े खास संकेत। मूलांक के आधार पर व्यक्ति के स्वभाव, सोच, कार्यक्षमता और जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का आकलन किया जाता है। किसी व्यक्ति का मूलांक उसकी जन्म तारीख के अंकों के योग से निकाला जाता है।उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति का जन्म 23 तारीख को हुआ है, तो 2+3=5 होगा और उसका मूलांक 5 माना जाएगा। इसी तरह 14 तारीख को जन्मे व्यक्ति का मूलांक 1+4=5 होगा। वहीं पूरी जन्मतिथि के अंकों का योग करके भाग्यांक निकाला जाता है। जैसे यदि जन्मतिथि 22-04-1996 है, तो 2+2+0+4+1+9+9+6=33 और 3+3=6, यानी भाग्यांक 6 होगा।

दैनिक अंक ज्योतिष के जरिए आप अपने मूलांक के अनुसार दिन की संभावनाओं को समझ सकते हैं। इससे आपको यह जानने में मदद मिल सकती है कि आज किन क्षेत्रों में सफलता के अवसर बन सकते हैं

जन्माष्टमी पर बनेंगे कई शुभ योग, इन 5 राशियों को करियर और धन के मामले में मिलेगा फायदा

Janmashtami 2026 Rashifal: इस बार कृष्ण जन्माष्टमी पर ग्रहों का खास संयोग कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, इस ग्रह स्थिति से 5 राशियों के जातकों को धन, करियर और भाग्य के मामले में लाभ मिल सकता है। आइए जानते हैं कौन-सी हैं ये भाग्यशाली राशियां।

Janmashtami Lucky Zodiac Signs: श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस बार ग्रहों और नक्षत्रों की खास स्थिति के कारण ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस दिन रोहिणी नक्षत्र के साथ हर्षण और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। वहीं, चंद्रमा के वृषभ राशि में स्थित होने से इस ग्रह स्थिति का महत्व और बढ़ जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इन शुभ संयोगों का सकारात्मक प्रभाव कुछ राशियों पर विशेष रूप से पड़ सकता है। ऐसे में 5 राशियों के जातकों के लिए जन्माष्टमी का यह पर्व धन, सफलता और सौभाग्य के नए अवसर लेकर आ सकता है।

वृषभ राशि

जन्माष्टमी पर बन रहे शुभ ग्रह संयोग वृषभ राशि के जातकों के लिए आर्थिक रूप से सकारात्मक रह सकते हैं। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को करियर में आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं, वहीं कारोबारियों के लिए भी मुनाफे के अवसर बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे मजबूती आने के संकेत हैं।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए यह समय मानसिक सुकून और पारिवारिक खुशियां लेकर आ सकता है। लंबे समय से बना तनाव कम होने और मन को शांति मिलने की संभावना है। नौकरी करने वालों के लिए परिस्थितियां अनुकूल रह सकती हैं और काम में स्थिरता महसूस होगी।

एक्सप्लेनर: गोल-अंडाकार या टेढ़े-मेढ़े क्रिकेट के मैदान अलग-अलग आकार के क्यों होते?

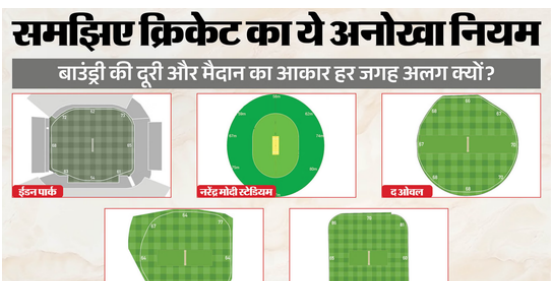

क्रिकेट के मैदानों का आकार और बाउंड्री हर जगह एक जैसी नहीं होती। क्रिकेट में पिच की लंबाई और माप तय होते हैं, लेकिन पूरे मैदान का आकार तय नहीं है। जमीन की बनावट, पुराने स्टेडियम, दूसरे खेलों के लिए मैदान का इस्तेमाल और सुरक्षा के नि यम मिलकर उसका आकार तय करते हैं। यही वजह है कि हर मैदान की अपनी अलग चुनौती और रणनीति होती है। अगर आप फुटबॉल देखते हैं तो ज्यादातर स्टेडियम में मैदान का मूल आकार एक जैसा नजर आता है। टेनिस में तो कोर्ट के आयाम बिल्कुल तय होते हैं, लेकिन क्रिकेट में तस्वीर अलग है। कहीं मैदान लगभग गोल दिखता है, कहीं अंडाकार, कहीं एक तरफ लंबी बाउंड्री तो दूसरी तरफ काफी छोटी। यही वजह है कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG), ईडन पार्क, लॉर्ड्स और भारत के बड़े स्टेडियम देखने में एक-दूसरे से काफी अलग लग सकते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि क्रिकेट में पिच और पूरे मैदान के लिए एक जैसे आयाम तय नहीं किए गए हैं। पिच की लंबाई 22 गज यानी 20.12 मीटर होती है, लेकिन उसके चारों तरफ का आउटफील्ड किसी एक तय आकार का होना जरूरी नहीं है। हालांकि इसका मतलब यह भी नहीं है कि क्रिकेट के मैदान की बाउंड्री पूरी तरह मनमानी हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए आईसीसी ने बाउंड्री को लेकर स्पष्ट सीमाएं तय कर रखी हैं। क्रिकेट का सबसे महत्वपूर्ण निश्चित माप पिच है। विकेटों के बीच की दूरी 22 गज यानी 20.12 मीटर होती है। गेंदबाजी क्रीज, पॉपिंग क्रीज और स्टंप्स की स्थिति भी नियमों से तय होती है, लेकिन इसके बाद मैदान कितना फैलेगा, उसकी सीमा कहां होगी और उसका आकार कैसा होगा, इसमें काफी लचीलापन है

पाकिस्तान को धूल चटाने उतरेगा भारत:

महिला एशिया कप में होगी दोनों टीमों की भिड़ंत प्लेइंग-11 में होगा बदलाव?

महिला एशिया कप के मुकाबले में शनिवार को भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच मुकाबला होगा। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। अब टीम जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी।

भारतीय महिला टीम का एशिया कप में सामना अब चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। दोनों टीमों के बीच ग्रुप चरण का यह मुकाबला शनिवार को दुबई में खेला जाएगा। भारतीय महिला अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है और वह बस अब औपचारिकता के लिए मैदान पर उतरेगी। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय महिला टीम का रिकॉर्ड एकतरफा है। लेकिन जब भी दोनों टीमें एक दूसरे का सामना करती हैं तो वो मैच बेहद रोमांचक होता है।

हार से सेमीफाइनल की दौड़ में पिछड़ सकता है पाकिस्तान

इसमें कोई दोराय नहीं है कि भारतीय टीम इस मैच में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। भारत ने पहले दो मैचों में भले ही शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन उसमें कुछ जगह सुधार की भी जरूरत है। एशियाई स्तर पर हालांकि भारत के आसपास भी कोई टीम नजर नहीं आती। पिछली बार भारत किसी तरह श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में उपविजेता रहा था। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने अपने शुरुआती मुकाबले में थाईलैंड को हराया है और अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भी शानदार फॉर्म में हैं। मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ यादगार शतक लगाते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और प्रतियोगिता की अन्य टीमों को अपनी बल्लेबाजी क्षमता का संकेत दे दिया। दुबई की पिचों पर बल्लेबाजी आसान नहीं रही है। बल्लेबाजों को आमतौर पर पिच की गति और उछाल को समझने में करीब 10 गेंद लगती हैं

महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट: मंधाना ने तोड़ा महान मिताली का बड़ा रिकॉर्ड सबसे ज्यादा शतक भी अब स्मृति के नाम

स्मृति मंधाना ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मंधाना के नाम अब 10,889 रन हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया है। मिताली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 10,868 रन बनाए थे। भारतीय महिला क्रिकेट की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने इस मामले में भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने महिला एशिया कप में मंधाना की शतक की बदौलत हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट पर 193 रन बनाए।

मंधाना का शतक

मंधाना ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 36वां अर्धशतक लगाया। उन्होंने छक्का मारकर अर्धशतक पूरा किया था। हालांकि, इसके लिए उन्होंने 40 गेंदें लीं थीं। हालांकि, इसके बाद मंधाना ने सीधे चौथी गीयर में बल्लेबाजी की। उन्होंने अगले 50 रन के लिए केवल 17 गेंदें लीं। मंधाना ने 57 गेंद में टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा शतक लगाया। स्मृति मंधाना ने 64 गेंद में 14 चौके और सात छक्के की मदद से 124 रन की पारी खेली। वह रन आउट हुईं।

महान मिताली राज का कौन सा रिकॉर्ड टूटा?

मंधाना के नाम अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,880 रन हो गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने मिताली राज के 10,868 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मिताली लंबे समय तक इस सूची में शीर्ष पर थीं और भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रही हैं। मिताली के बाद इस लिस्ट में सूजी बेट्स, शार्लोट एडवर्ड्स और स्टेफनी टेलर जैसी दिग्गज बल्लेबाज हैं।

मिताली राज के संन्यास के बाद अब मंधाना भारतीय महिला क्रिकेट की बल्लेबाजी की सबसे बड़ी स्टार के रूप में लगातार नए मुकाम हासिल कर रही हैं। स्मृति मंधाना ने सिर्फ मिताली का रिकॉर्ड नहीं तोड़ा, बल्कि महिला क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजी के एक नए युग की शुरुआत का संकेत भी दिया है।

भारत की महिला टीम की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक तीन शतक दर्ज किए गए हैं। स्मृति मंधाना ने इस सूची में दो बार अपना नाम दर्ज कराया है। उन्होंने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में 112 रन की शानदार पारी खेली थी। हालांकि, मंधाना की 124 रन की पारी भारतीय महिला खिलाड़ी की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। वहीं हरमनप्रीत कौर ने 2018 टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 103 रन की पारी खेलकर यह उपलब्धि हासिल की थी। स्मृति मंधाना ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में भी नया रिकॉर्ड बना लिया है।

महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन

खिलाड़ी	देश	कुल रन
स्मृति मंधाना	भारत	10,880
मिताली राज	भारत	10,868
सूजी बेट्स	न्यूजीलैंड	10,740
शार्लोट एडवर्ड्स	इंग्लैंड	10,273
स्टेफनी टेलर	वेस्टइंडीज	10,005

उनके नाम अब 18 अंतरराष्ट्रीय शतक हो गए हैं। वह इस सूची में ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग और दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट से आगे निकल गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग और दक्षिण अफ्रीका की स्टार बल्लेबाज एल वोल्वार्ड्ट 17-17 शतकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज 15 शतकों के साथ चौथे और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स तथा इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट 14-14 शतकों के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं।

महिला T20I में भारत के लिए सबसे ज्यादा छक्के

स्मृति मंधाना ने हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ दुबई में खेली अपनी शानदार पारी के दौरान सात छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने भारत की महिला टीम के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। मंधाना के नाम अब इस फॉर्मेट में 95 छक्के हैं, जबकि हरमनप्रीत कौर ने 89 छक्के लगाए हैं। स्मृति मंधाना ने महिला टी20 एशिया कप के इतिहास में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

उन्होंने 2026 में दुबई में हांगकांग के खिलाफ नाबाद 120 रन बनाए, जो इस टूर्नामेंट में अब तक का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है।

गिनीज बुक में दर्ज: 100 km दौड़कर गेंद फेंकी एंड्रयू स्ट्रॉस की दिवंगत पत्नी की याद में सैम ने बनाया रिकॉर्ड

इंग्लैंड के सैम बोडोआनो ने गेंद फेंकने के लिए करीब 100 किलोमीटर का रनअप लेकर अनोखा कारनामा किया। उन्होंने 14 घंटे में लॉर्ड्स से वोकिंग तक दौड़ पूरी की और इसके बाद गेंद फेंकी। इस प्रयास से कैंसर चैरिटी के लिए 6,000 पाउंड जुटाए गए। सैम ने गिनीज बुक के लिए आवेदन भी किया है। आपने एक गेंद फेंकने के लिए सबसे लंबा रनअप किस गेंदबाज का देखा है? निश्चित तौर पर आप जिन्हें याद करेंगे, उन सभी का रनअप 30 गज के सर्किल के आसपास से शुरू होता था। लेकिन इंग्लैंड के सैम बोडोआनो ने मीटर नहीं, बल्कि 100 किलोमीटर लंबा रनअप लेकर दौड़ लगाने के बाद गेंद फेंककर विश्व रिकॉर्ड के लिए दावा ठोका है। सैम बोडोआनो ने इस अनूठे कारनामे से कैंसर चैरिटी के लिए 6,000 पाउंड (करीब 7.65 लाख रुपये) जुटाए हैं, जो 'द रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन' को मिलेंगे। इसकी स्थापना इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने अपनी दिवंगत पत्नी रूथ की याद में कैंसर पीड़ित मरीजों की मदद के लिए की है। 46 साल की रूथ का निधन फेफड़ों के एक दुर्लभ कैंसर से जूझने के बाद हुआ था।

14 घंटे में पूरी हुई दौड़

सैम बोडोआनो ने 29-30 अगस्त की रात लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम से अपने रनअप पर दौड़ना शुरू किया। वह क्रिकेट की सफेद ड्रेस पहने हुए थे। यहां से उन्हें करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित सरे के वोकिंग स्थित वैली एंड क्रिकेट क्लब पहुंचकर गेंद फेंकनी थी। उन्होंने यह दौड़ करीब 14 घंटे तक दौड़ते हुए पूरी की।

गिनीज बुक में भेजा नाम

बोडोआनो ने 2024 में बने टॉम डन के 24 किलोमीटर दौड़ के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने के लिए सैम ने आवेदन कर दिया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के नियमों के अनुसार, बोडोआनो के प्रयास की अब औपचारिक सत्यापन प्रक्रिया होगी। इसके बाद ही इसे आधिकारिक तौर पर मान्यता दी जाएगी। इसमें करीब दो सप्ताह का समय लगता है।

सैम बोडोआनो ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, 'पूरे समय गेंद को पकड़े रहना झंझट भरा था। आश्चर्य है कि सफेद जर्सी पहनना उतना असहज नहीं था, जितना सोचा था। मैं थका हुआ हूं। नींद पूरी नहीं हुई, लेकिन यह अद्भुत उद्देश्य के लिए था।' सैम ने लिंकडइन पर खुद को कंटेंट क्रिएटर, एंड्योरेंस एथलीट के साथ इंग्लैंड की हॉकी प्रीमियर लीग का खिलाड़ी बताया है।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300